P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 13 अगस्त 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 247
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

सहकारिता के रण की तैयारी में भाजपा ?

पेज-2

सोनल के डांस ने बढ़ाया 'मिर्जापुरः दि मूवी' का क्रेज

पेज-5

प्रदेश में महंगी होगी बिजली!

पेज-6

शिवराज का दर्द पीएमओ तक पहुंचा!

दिल्ली के संदेश के बाद शिवराज और मुख्यमंत्री की मुलाकातें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● जो 18 साल तक प्रदेश के मुखिया रहे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान अब इसी प्रदेश में बेरूखी का शिकार हैं। पीएमओ ने भी इसके बाद एक्शन लिया और प्रदेश बीजेपी में सियासी भूचाल आया। जिसके बाद खुद सीएम मोहन यादव ने सफाई दी और शिवराज से मुलाकात भी की।

मंच पर मेल, अंदरखाने क्यों बढ़ा फासला?

बीजेपी नेताओं की एक खास अदा है वो जब आमने सामने होते हैं यूं तपाक से मिलते हैं जैसे कोई गिला शिकवा है ही नहीं और यूं अहसास करवाते हैं कि बीजेपी में सब कुछ फील गुड टाइप है। मंच पर जब दो बड़े नेता आपस में मिलते हैं या मेल मुलाकात की फोटोज शेयर करते हैं तब सब कुछ चंगा सी वाला फील देते हैं, लेकिन अंदरखानों में क्या चल रहा है वो इससे एकदम अलग होता है। जो जाहिर हुआ है शिवराज सिंह चौहान के एक खत से।

शिवराज सिंह चौहान को ये लगने लगा है कि ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो। और यही फासला उन्हें ज्यादा रास नहीं आ रहा है। खासतौर से मप्र के मामले में। रास आना भी नहीं चाहिए वो 18 साल सीएम की गद्दी पर रहे। उनकी प्रदेश में अनदेखी हो रही है। जिस प्रदेश में उन्होंने किसान पुत्र होने की पहचान बनाने में जी जान एक कर दी। उसी प्रदेश में कृषि वर्ष मनाया जा रहा है और उन्हें भुला दिया गया है।

शिवराज की नाराजगी से भोपाल में हलचल-मूंग खरीदी के मामले पर हुए किसानों के आंदोलन पर भी शिवराज सिंह चौहान ने आपत्ति जताई है। बताया जा रहा है कि शिवराज ने केंद्र का रुख पहले ही साफ कर दिया था। उसके बावजूद प्रदेश के कृषि मंत्री ने उन्हें पत्र लिखा। इन सब मामलों को पीएमओ ने गंभीरता से लिया।

एक बात और बता दें। शिवराज सिंह चौहान पार्टी के उन नेताओं में गिने जाते हैं जो कभी आलाकमान या शीर्ष नेतृत्व के फैसले के खिलाफ नहीं जाते न ही नाराजगी जताते हैं।

शिवराज के खत में छलका एमपी का दर्द

ये शिकायत खुद शिवराज सिंह चौहान ने की है। शिवराज सिंह चौहान का ये दर्द एक लेटर के जरिए छलका। जो उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के नाम लिखा। जिसमें 21 अलग-अलग बिंदुओं पर उन्होंने आपत्ति जाहिर की है। इन 21 बिंदुओं के पत्र में एक शिकायत एमपी में बेरूखी पर है। एक शिकायत इसी बात पर है कि कृषि वर्ष मनाया जा रहा है, लेकिन उन्हें कार्यक्रम में बुलाया नहीं जा रहा। उनकी शिकायत में ये भी कहा गया है कि कुछ कार्यक्रमों के दौरान वो खुद प्रदेश में मौजूद थे। उसके बाद भी उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि उनका प्रदेश से गहरा नाता रहा है। वो मौजूदा सांसद भी हैं और देश के कृषि मंत्री भी हैं।

सीट पर काम अटके, घोषणाएं भी अधूरी

एक शिकायत उनके संसदीय क्षेत्र की सड़क निर्माण से जुड़े काम को लेकर है। शिवराज ने मुख्यमंत्री रहते हुए 200 करोड़ की सड़कें मंजूर कराई थी। इन सड़कों के लिए जितने के टेंडर मंजूर हुए थे उसमें से तकरीबन 45 करोड़ बच गये थे, शिवराज जी बची हुई राशि से अपने क्षेत्र की दूसरी सड़कें बनवाना चाहते है, लेकिन अफसर उनकी इस मांग की फाइल को घुमा रहे हैं। इसके अलावा शिवराज सिंह चौहान की कॉन्सटिट्यूएंसी में पीपीपी मॉडल से मेडिकल कॉलेज बना है। उनकी शिकायत है की अभी तक मेडिकल कॉलेज के लिए स्टाफ नहीं दिया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए जो घोषणाए की थीं उनमें से बुदनी की तकरीबन 25 घोषणाओं पर आज तक अमल नहीं किया गया।

ओवरटेक करने के चक्कर में स्कूल बस को बस ने मारी टक्कर

बच्चों समेत दर्जनभर से अधिक घायल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार ● इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम पीपलखेड़ा के पास गुरुवार सुबह करीब 9 बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। ओवरटेक करने के दौरान एक निजी बस ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में स्कूल बस में सवार बच्चों सहित दोनों बसों के दर्जनभर से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के इंदौर की ओर जाने वाले मार्ग पर स्कूल बस और एक ट्रक आगे चल रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही निजी बस ने स्कूल बस को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक के दौरान पर्याप्त जगह नहीं बचने से निजी बस स्कूल बस के पीछे जा भिड़ी। टक्कर के कारण दोनों बसों में सवार कई लोगों को चोटें आईं। इनमें कुछ स्कूली बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने डायल-112, पुलिस वाहन और निजी वाहनों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

कॉलोनी सेल में वर्षों से अंगद बने तीन पटवारी नहीं लागू हो रहा है ट्रांसफर का नियम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टोरेट के कई विभागों में कई कर्मचारी हैं जो वर्षों से डटे हुए हैं। ऐसे ही यहां के कॉलोनी सेल विभाग में तीन पटवारी हैं जो करीब 6 वर्षों से अंगद की तरह जमे हैं। इस विभाग में कई अधिकारी, कर्मचारी और पटवारी आए और चले गए, लेकिन यह तीनों पटवारी वर्तमान में भी जमे हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि कलेक्टर ऑफिस में कॉलोनी सेल बनाए जाने के समय से ही इनकी पदस्थापना यहां की गई थी। हाल ही में भी पटवारी और राजस्व निरीक्षकों के तबादले हुए, लेकिन इसके बाद भी इन तीनों का ट्रांसफर नहीं किया गया।

जानकारी अनुसार कलेक्टोरेट के कॉलोनी सेल विभाग में तीनों पटवारी करीब 6 वर्षों से जमे हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि ये ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलोनियों को विकास अनुमति दिए जाने संबंधित कार्य संपादित करती हैं और विकसित होने वाली कॉलोनी के लिए कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किया जाना, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस के प्लॉट संबंधित कार्य देखती हैं। यहीं पदस्थ एक अन्य पटवारी कॉलोनियों के लिए लाइसेंस जारी करना और टीएनसीपी संबंधित कार्य देखते हैं। सूत्र बताते हैं कि तीनों ही पटवारी ऊंची पकड़ के कारण यहां जमे हुए हैं। वैसे तो सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों को अधिकतम 3 वर्ष में ट्रांसफर किए जाने संबंधित नियम है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि शायद इन तीनों ही पटवारियों पर यहनियम लागू नहीं होता। शायद यही कारण है कि करीब 6 वर्षों से यह एक ही विभाग में डटे हुए हैं।

लगभग 70 फीसदी कार्य इन्हीं के पास

सूत्रों के अनुसार कॉलोनी सेल में कॉलोनी विकसित किए जाने संबंधित लगभग 70 फीसदी कार्य इन्हीं तीनों पटवारी के पास है। तीनों पटवारियों के लंबे समय से जमे होने के मामले में कॉलोनी सेल प्रभारी एसडीएम रोशनी पाटीदार से जब चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामले में देखकर ही कुछ बता पाऊंगी।

प्रियंका गांधी के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन, माफी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी) ● मद्रास के डायरेक्टर वी. कामकोटी को 'गौमूत्र एक्सपर्ट' बताने वाले बयान को लेकर विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन में अब तक 14 हजार से ज्यादा लोगों ने सिग्नेचर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही, प्रियंका गांधी से कमेंट वापस लेने और माफी की मांग की गई है। यह पिटीशन 1 अगस्त को Change.org पर शुरू हुई थी। आयोजकों के मुताबिक, इसे देश के कई राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिला है। 38 से ज्यादा देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इसका समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता बताया है।

न्यूज ब्रीफ

- चुनाव आयोग आज जारी करेगा पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट
- अयोध्या के राम मंदिर में आज से लागू होगी नई व्यवस्था, पुजारियों के ड्रेस कोड में होगा बदलाव
- सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका पर दिल्ली कोर्ट आज सुना सकता है फैसला
- लाल किला हमले का मास्टरमाइंड था अल-कायदा, ह रिपोर्ट में बड़ा खुलासा
- फ्रांस को मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून पर दुनिया को भाषण देना बंद करना चाहिए : अराघची
- मुंबई : जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी मिली
- रांची : JLKM के देवेंद्र महतो ने प्रदर्शन स्थल पर लौटने की अनुमति के लिए सिविल सर्जन को पत्र लिखा
- आज से शुरू होगा कर्नाटक विधानसभा का मॉनसून सत्र
- दिल्ली : फुल ड्रेस रिहर्सल के लिए आज सुबह से लाल किले के पास बंद रहेंगी कई सड़कें

खजराना गणेश के दान पात्र से निकले 1.9 करोड

अब तक 37 पेटियां खोली गई, सोने की चेन और चूड़िया भी भक्तों ने की अर्पित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खजराना गणेश मंदिर के दान पात्रों की राशि की गिनती तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रही। पहले दिन 31 लाख, दूसरे दिन 41 एवं तीसरे दिन 37 लाख सहित अब तक दान पेटियों से निकली एक करोड़ नौ लाख की राशि की गिनती हुई। कैमरों की निगरानी के साथ सुरक्षा व्यवस्था के बीच गिनती पूर्ण होते ही राशि को बैंक में जमा भी कराया जा रहा है। गिनती नगर-निगम, मंदिर कार्यालय एवं कोषालय के 32 कर्मचारी कर रहे है।

दान पात्र से आभूषण भी निकले है जिसमें चैन और माला आदि शामिल है। सुबह 11 बजे से कैमरों की निगरानी के साथ सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में राशि की गिनती की जा रही है। अब तक करीब 37 पेटियों की गिनती बची है। तीन पेटियां शेष हैं। बताया जा रहा है कि अगामी तीन दिन ओर गिनती चलेगी। राशि में चलन से बाहर हुए दो हजार के भी दो नोट निकले हैं। विदेश करंसी में नेपाल से मिली मुद्रा शामिल है।

इमरान खान की मौत की अफवाहें पाक सेना नहीं दे रही जानकारी

इस्लामाबाद (एजेंसी) ● पाकिस्तानी सेना ने उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया था कि जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की मौत हो गई है। पाकिस्तान के एक पत्रकार ने दावा किया था कि रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय के तीन वरिष्ठ अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इमरान खान शायद अब जीवित नहीं हैं। इसमें दुनिया में इस मुद्दे को लेकर बहस शुरू हो गई और लोग शहबाज सरकार से सवाल पूछने लगे। इमरान खान की पार्टी पीटीआई कहना है कि अगर उन्हें अपने नेता से मिलने नहीं दिया गया तो पाकिस्तान में लाखों लोग सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

अब मध्यप्रदेश में 24 घंटे खुल सकेंगी दुकानें-होटल और मॉल

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मध्यप्रदेश में अब दुकानें, होटल, रेस्टोरेंट, मॉल और दूसरे व्यावसायिक प्रतिष्ठान 24 घंटे और सातों दिन खुले रखे जा सकेंगे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 'मध्य प्रदेश कार्यस्थल सशक्तिकरण संहिता (श्रम शक्ति संहिता), 2026' को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि कर्मचारियों से लगातार दिन-रात काम कराया जाएगा। कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्ट में लगानी होगी और तय समय के बाद शिफ्ट बदलनी होगी।

अब दुकान या प्रतिष्ठान का बार-बार रजिस्ट्रेशन और रिन्यूअल कराने की जरूरत नहीं होगी। एक बार ऑनलाइन पंजीयन कराने के बाद प्रमाण-पत्र और एक यूनिक पहचान नंबर मिलेगा। बाद में दुकान या प्रतिष्ठान की जानकारी में कोई बदलाव होता है तो उसे ऑनलाइन अपडेट करना होगा। नई संहिता में कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी जोर दिया गया है। प्रतिष्ठान मालिकों को काम की जगह पर साफ-सफाई, सुरक्षा उपकरण, आग से बचाव और आपात स्थिति से निपटने की व्यवस्था करनी होगी। किसी हादसे या खतरे की स्थिति में अधिकारी जांच कर कार्रवाई कर सकेंगे।

हफ्ते में 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं

नई व्यवस्था में कर्मचारी के काम के घंटे तय रहेंगे। एक सप्ताह में कर्मचारी से अधिकतम 48 घंटे काम कराया जा सकेगा। अतिरिक्त काम के लिए कर्मचारी की सहमति जरूरी होगी और ओवरटाइम का भुगतान भी तय नियमों के मुताबिक करना होगा। इससे लोगों को रात में भी खरीदारी या होटल-रेस्टोरेंट की सुविधा मिल सकेगी। खासतौर पर बड़े मॉल, होटल, रेस्टोरेंट और अन्य प्रतिष्ठानों को 24 घंटे कारोबार करने का मौका मिलेगा।

ट्रिपल लेयर ब्रिज के एक हिस्से को ट्रैफिक के लिए खोला, रोज होता था यातायात बाधित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में बन रहे प्रदेश के पहले ट्रिपल लेयर ब्रिज की एक भुजा बुधवार को ट्रैफिक के लिए खोल दी गई। इससे देवास से राऊ की तरफ जाने वाले वाहन चालकों को राहत मिली है। बीते तीन साल से रोज मुख्य लेन बंद होने के कारण सर्विस रोड पर यातायात बाधित होता था। अभी एक तरफ का ट्रैफिक सर्विस रोड से ही निकल रहा है। चार माह के बाद दूसरी भुजा भी ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएगी। तब बायपास से इंदौर की तरफ आने वाले वाहनों को भी आसानी होगी।

इंदौर का एमआर-10 जंक्शन राष्ट्रीय राजमार्गों का तिराहा है। इस कारण यहां राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने थ्री लेयर ब्रिज बनाने का फैसला तीन साल पहले लिया था। इस प्रोजेक्ट पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च हुई है। जो वाहन इंदौर की तरफ आना चाहते हैं, वे मध्य हिस्से के ब्रिज का उपयोग करेंगे; जबकि जो वाहन सीधे राऊ की तरफ जाना चाहते हैं, वे ऊपरी ब्रिज का उपयोग कर सकेंगे।

इसके अलावा इंदौर से हरदा की तरफ जाने वाले वाहन अंडरपास से होकर जाएंगे। अंडरपास से गुणावत गांव तक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एक बायपास तैयार कर रहा है, जो 15 किलोमीटर के बाद इंदौर-हरदा रोड से जुड़ेगा। इस ब्रिज से एबी रोड, इंदौर-अहमदाबाद हाईवे और इंदौर-हरदा हाईवे सीधे जुड़ रहे हैं। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि छह माह के भीतर तीनों ब्रिज ट्रैफिक के लिए खुल जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

शैल्बी हॉस्पिटल्स ने टेली-रोबोटिक बैरियाट्रिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए, शैल्बी मल्टी- स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स ने गुजरात की पहली टेली-रोबोटिक बैरिएट्रिक (मेटाबोलिक) सर्जरी सफलतापूर्वक की है। इस सर्जरी में, ऑपरेशन करने वाले सर्जन ने गुरुग्राम से दूर बैठकर रोबोटिक सिस्टम को कंट्रोल किया, जबकि मरीज़ की सर्जरी अहमदाबाद में हो रही थी। टेली-रोबोटिक बैरिएट्रिक सर्जरी का नेतृत्व शैल्बी हॉस्पिटल्स के कंसल्टेंट लैप्रोस्कोपिक, रोबोटिक, बैरिएट्रिक और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन डॉ. पराग पटेल ने किया, जिन्होंने गुरुग्राम के स्स इनोवेशन सेंटर से दूर से ही ऑपरेशन किया।

एचडीएफसी बैंक ने लोगों से 'बॉस स्कैम' के खिलाफ सावधान रहने की अपील की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने कस्टमर्स को बॉस स्कैम (बिज़नेस लीडर/सीनियर कंपनी एग्जीक्यूटिव का नकली रूप) से सावधान रहने की सलाह दी है। इसका मकसद कस्टमर्स को सुरक्षित रखने के लिए ऐसे फ्रॉड के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। बॉस स्कैम में, फ्रॉड करने वाले सोशल मैसेजिंग ऐप पर सीनियर लीडर और भरोसेमंद साथियों का नकली रूप बनाकर कर्मचारियों को पेमेंट करने या सेंसिटिव जानकारी शेयर करने के लिए फंसाते हैं। फ्रॉड करने वाले सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर ईमेल या मैसेज भेजते हैं, जिसमें वे रेगुलेटर या सीईओ और सीएक्सओ जैसे सीनियर कंपनी एग्जीक्यूटिव होने का दावा करते हैं।

उमरीखेड़ा में ऑनलाइन नाइट स्टे बुकिंग

बारिश के बाद पर्यटक रुक सकेंगे रात्रि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के राजवाड़ा से मात्र 10 किमी दूर लगभग 190 हेक्टेयर में फैला उमरीखेड़ा मनोरंजन पार्क में अब नाइट स्टे भी शुरू हो गया है। यहां खुले आसमान के नीचे प्रकृति के बीच रात्रि पर्यटक न केवल ठहर सकेंगे बल्कि मालवी निमाड़ी भोजन का लुत्फ भी उठाएंगे।

यह लंबे समय से नाइट स्टे पर काम चल रहा था, ताकि रात्रि रुकने वाले पर्यटकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो सके। बताया जा रहा है कि वन विभाग ने यहां नाइट स्टे की बुकिंग शुरू कर दी है और बुकिंग के लिए नियम भी बना दिए गए हैं, जिसके अंतर्गत अब पर्यटक यहीं रात्रि खुले आसमान में बिताएंगे। नाइट स्टे के लिए 3 तरह की सुविधा वन विभाग ने दी है, जिसमें से मड-हाउस लगभग में ठहरेंगे 1500 खर्च, स्वीस टेंट, लगभग 1500 खर्च, भोजन इत्यादि सब मिलाकर तकरीबन 3000 खर्च होंगे, सामान्य टेंट, 750 का खर्च होगा तथा 350 का नाश्ता इत्यादि रहेगा। वैसे, नाइट स्टे की बुकिंग के लिए 2 से 3 दिन पूर्व करने को अनिवार्य तो बना दिया गया है, लेकिन इस तरह के नाइट स्टे की बुकिंग 2 से 3 महीने पहले से भी की जा सकती है। अभी हाल ही में देखा जाए तो नाइट स्टे की बुकिंग एक तरह से शुरू हो चुकी है। यहां पर वन मंडल कार्यालय से मंजूरी के बाद से ही बुकिंग शुरू कर दी है, जहां मालवीय निमाड़ी, भोजन के साथ-साथ नाश्ता इत्यादि की सुविधा भी यहां आने वाले और ठहरने वाले पर्यटकों के लिए दी जा रही है। उमरीखेड़ा मनोरंजन पार्क में छोटा तालाब पैदल ट्रैक पानी नदी से लेकर पूरा जंगल का एहसास होगा और यह वैसे तो पर्यटक लगाकर आ रहे हैं, लेकिन नाइट स्टे में रात्रि और सुबह की जल्दी का भी जंगल का वातावरण देख सकेंगे। अब यहां नाइट स्टे की बुकिंग शुरू हो चुकी है और जिसके लिए इंदौर के बाहर से भी बुकिंग होने लगी है।

वनमंडला अधिकारी डॉक्टर लाल सुधाकर सिंह ने बताया कि यहां पर तीन तरह के ठहरने की व्यवस्था की गई है एवं मालवी निमाड़ी में कई तरह के व्यंजन आने वाले पर्यटकों को परोसे जाएंगे और नाइट स्टे की बुकिंग एक तरह से शुरू हो गई है, जो बारिश के बाद यहां सिलसिलेवार पर्यटकों के ठहरने के आसार हैं।

पारिवारिक लेन-देन में चेक बाउंस

भाई-भाभी को 6-6 माह की सजा, 16 लाख का जुर्माना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पारिवारिक रिश्तों के बीच लाखों रुपये के आर्थिक लेन-देन से जुड़े चेक अनादरण के मामले में न्यायालय ने आरोपी भाई और भाभी को दोषी ठहराते हुए 6-6 माह के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों पर कुल 16 लाख रुपये का जुर्माना भी निर्धारित किया है। प्रकरण की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट सृष्टि अग्निहोत्री के न्यायालय में हुई।

मामला 2.50 लाख और 12.50 लाख रुपये के दो चेक के अनादरण से जुड़ा था। परिवादी धनंजय गुंजाल एवं पल्लवी धनंजय गुंजाल की ओर से चेक अनादरण संबंधी शिकायत न्यायालय में प्रस्तुत की गई थी। परिवादी पक्ष की ओर से उच्च न्यायालय अधिवक्ता राजेश जोशी ने पैरवी करते हुए मामले से जुड़े दस्तावेज न्यायालय के समक्ष रखे। बताया कि ढाई और साढ़े 12 लाख के दो चेक बाउंस हो गए। परिवादी पक्ष ने निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर न्यायालय की शरण ली। रिकॉर्ड अनुसार 24 फरवरी 2012 को परिवादी के सास-ससुर की सालगिरह पर राशि दिए जाने और उसे एक वर्ष में वापस करने के आश्वासन का उल्लेख है। बाद में राशि वापस मांगे जाने पर दिसंबर 2013 में आरोपियों द्वारा संयुक्त बैंक खाते से चेक जारी किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद जनवरी 2014 में दोनों चेक बाउंस हो गए। सुनवाई के बाद न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

अटल गृह ज्योति योजना में उपभोक्ताओं को दी 151 करोड़ रू की सब्सिडी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कर रही हैं। पिछले एक बिल माह के दौरान मालवा निमाड़ में करीब 27.50 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। इन उपभोक्ताओं प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट की दर से प्रदान की गई है। इन उपभोक्ताओं को मप्र शासन की ओर से एक माह के दौरान कुल 151 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के बिजली उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। मप्र के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान के बाद फीडबैंक भी नियमित रूप से लिया जा रहा हैं। योजना के तहत औसतन रूप से तीस दिन के दौरान 150 यूनिट व प्रतिदिन औसत पांच यूनिट की खपत वाले घरेलू उपभोक्ता इस योजना की पात्रता में आते है। बीते एक बिल माह में माह कंपनी क्षेत्र में करीब 27.50 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले के सबसे ज्यादा उपभोक्ताओं ने योजना लाभ लिया हैं। इंदौर के बाद, धार, उज्जैन, खरगोन जिले में सर्वाधिक घरेलू बिजली उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। योजना के तहत प्रतिदिन अधिकतम 5 यूनिट खपत वाले घरेलू उपभोक्ता पात्रता में आते है। प्रतिदिन औसत पांच यूनिट से ज्यादा बिजली उपयोग करने वालों को माह विशेष में सब्सिडी नहीं प्रदान की जाती।

27.50 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिली एक रूपए यूनिट में बिजली

बीमा हॉस्पिटल इंदौर में कर्मचारियों से हो रही अवैध वसूली, हिंदू महासभा ने किया आंदोलन

तीन दिन से भूख हड़ताल पर बैठे थे कर्मचारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बीमा हॉस्पिटल कर्मचारियों के साथ हो रहे अत्याचार के विरोध में अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों का समर्थन कर डीन से बात कर उन्हें न्याय दिलवाया।

ईएसआईसी बीमा हॉस्पिटल नंदानगर में अवैध उगाही के विरोध में कार्य करने वाले कर्मचारी अक्षय रिंगे व पंकज सर्वा सदैव लड़ते रहते हैं और इस अवैध वसूली का विरोध करते हैं, जिससे कि भ्रष्ट अधिकारियों को अपना हिस्सा नहीं मिल पा रहा था। इस द्वेष भावना से हॉस्पिटल के निरीक्षक मोहम्मद रुबानी, उपनिरीक्षक पुलकित जैन व पंकज चौरसिया ने इन दोनों को षड्यंत्र कर हॉस्पिटल से बाहर कर दिया। इसके विरोध में कर्मचारियों ने तीन दिन से बीमा हॉस्पिटल में भूख हड़ताल शुरू कर दी। बीमा हॉस्पिटल कर्मचारियों ने यह विषय हिंदू महासभा के पदाधिकारियों को बताया तो युवा हिंदू महासभा के नगर अध्यक्ष अंकित और नगर महामंत्री विक्की शिरोले डीन व निरीक्षक से मिले । इसके बाद मोहम्मद रुबानी और पुलकित जैन ने कर्मचारियों का सहयोग कर रहे अन्य कर्मचारियों को यह कहकर डराना शुरू किया कि जो कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं, उनको भी निकाला जाएगा। जब इसकी जानकारी हिंदू महासभा पदाधिकारियों को लगी तो उन्होंने डीन से चर्चा कर स्पष्ट किया कि इन भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। स्वयं को फंसता देख भ्रष्ट अधिकारियों को झुकना पड़ा और हॉस्पिटल से निकाले गए दोनों कर्मचारियों को पुनः नौकरी ज्वॉइन करने का आश्वासन दिया गया।

गणेश उत्सव की तैयारियों को लेकर बैठकए जुलूस, झांकी, आरती की व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • गणेश उत्सव की तैयारियों को लेकर बुधवार को नगर निगम महापौर के सभाकक्ष में सामान्य प्रशासन विभाग और श्री गणेश उत्सव समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने की। बैठक में गणेश स्थापना से लेकर अनंत चतुर्दशी के चल समारोह तक की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने तय किया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी राजबाड़ा से निगम प्रांगण तक गणेश प्रतिमा के साथ जुलूस निकाला जाएगा। इसमें आकर्षक झांकी, बैंड-बाजे और आर्केस्ट्रा की व्यवस्था को लेकर सुझाव लिए गए।

भिचौली मर्दाना के रहवासी बुनियादी सुविधाओं से वंचित, आप पार्टी ने दी जन आंदोलन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के भिचौली मर्दाना क्षेत्र के रहवासी आज भी पर्याप्त स्ट्रीट लाइट, गड्ढों से भरी सड़कों और अनियमित पेयजल व्यवस्था के बीच जीवन बिताने को मजबूर हैं। हालत यह है कि बड़ी संख्या में परिवार पानी के टैंकरों के भरोसे अपना जीवन चला रहे हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि पहले कांग्रेस के समय भी क्षेत्र की उपेक्षा हुई और अब भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार में भी हालात नहीं बदले हैं। जब क्षेत्र में पार्षद भाजपा का, विधायक भाजपा का और महापौर भी भाजपा के हैं, तब भी भिचौली मर्दाना के लोग अपने जनप्रतिनिधियों का चेहरा देखने तक को तरस चुके हैं। सड़कों के गड्ढे नहीं भर पा रहे हैं, स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं और अनियमित पेयजल आपूर्ति की समस्या लगातार बनी हुई है। क्षेत्र की एक गंभीर समस्या सुरक्षा व्यवस्था भी है। पुलिस थाना यहां से लगभग 5 किलोमीटर दूर है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से क्षेत्र में एक अस्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। भिचौली मर्दाना का तालाब, जो कभी इस क्षेत्र का एक प्रमुख और विशाल जल स्रोत हुआ करता था, आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाने को मजबूर है। तालाब जलकुंभी, गंदे ड्रेनेज और अतिक्रमण की मार झेल रहा है।

मेडिकैप्स युनिवर्सिटी ने छात्रों को आगामी एकेडमिक सेशन के लिए आवेदन हेतु आमंत्रित किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मेडिकैप्स युनिवर्सिटी ने एकेडमिक सेशन 2026-27 के लिए एडमिशन के आखिरी चरण की घोषणा की है। वे छात्र जो युनिवर्सिटी में दाखिला लेना चाहते हैं, वे विंडो बंद होने से पहले आवेदन पूरा कर सकते हैं। कुछ चुनिंदा अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्रामों में सीमित सीटें ही उपलब्ध हैं, ऐसे में यह योग्य उम्मीदवारों के लिए आने वाले एकेडमिक वर्ष में एडमिशन पाने का आखिरी मौका है। उन छात्रों के लिए फाइनल एडमिशन विंडो शुरू की गई है, जिनके बोर्ड परीक्षा के नतीजों, प्रवेश परीक्षा, काउंसलिंग शेड्यूल या अन्य निजी कारणों की वजह से एडमिशन में देरी हुई है। छात्रों को यह आखिरी मौका देकर युनिवर्सिटी सुनिश्चित करना चाहती है कि योग्य छात्रों को एक और साल इंतज़ार न करना पड़े और वे इसी एकेडमिक सेशन में अपनी उच्च शिक्षा की यात्रा शुरू कर सकें।

सरकारी बगीचे में जैन संत का अंतिम संस्कार होने से निगम में मचा हड़कंप

निगम उद्यान विभाग ने मामले की जांच शुरू की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नेमीनगर जैन कॉलोनी के सरकारी बगीचे में बुधवार सुबह एक जैन संत का अंतिम संस्कार किए जाने की सूचना से नगर निगम में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही निगम के उद्यान विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया हो चुकी थी। मौके पर पहुंची टीम को वहां कोई व्यक्ति नहीं मिला। मामले की जानकारी पुलिस तक भी पहुंची, जिसके बाद पुलिस दल ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। नगर निगम के जोन-15 अंतर्गत वार्ड-12 की नेमीनगर जैन कॉलोनी में कुछ समय पहले करीब 15 लाख रुपए की लागत से एक बगीचा विकसित किया गया है। इसका नाम आचार्य श्री विद्यासागर उद्यान रखा गया है। उद्यान के उद्घाटन के दौरान मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और क्षेत्रीय विधायक मालिनी गौड़ भी मौजूद रही थीं।

नोटिस देने की कार्रवाई : निगम उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव ने बताया कि नेमीनगर के बगीचे में जैन संत के अंतिम संस्कार किए जाने की सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है कि सरकारी बगीचे में अंतिम संस्कार किसकी अनुमति से और किन परिस्थितियों में किया गया। इसके साथ ही अंतिम संस्कार में शामिल लोगों की जानकारी जुटाकर उन्हें नोटिस देने की कार्रवाई भी की जा रही है। मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंचने के बाद पुलिस दल भी मौके पर पहुंचा।

बताया गया कि जैन कॉलोनी में आचार्य सुनील सागर संघ के क्षुल्लक सुलभि सागर का निधन होने के बाद बुधवार सुबह करीब 6.30 बजे डोला निकाला गया। इसके बाद इसी सरकारी बगीचे में संत के अंतिम संस्कार की क्रियाएं पूरी कर दी गई। अंतिम संस्कार की जानकारी मिलने पर नगर निगम के उद्यान विभाग के अधिकारियों में हलचल मच गई।

प्राचार्य 10 बजे तक स्कूल नहीं पहुंचे तो कटेगा वेतन

ई-अटेंडेंस से होगी निगरानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सरकारी स्कूलों में वर्षों से चल रही लेटलतीफी, ढीली कार्यप्रणाली और विद्यार्थियों की पढ़ाई से हो रहे समझौते पर अब स्कूल शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। भोपाल स्तर से साफ संदेश दिया गया है कि अब समय की अनदेखी और मनमानी नहीं चलेगी। शिक्षक और प्राचार्य समय पर स्कूल पहुंचें, इसके लिए ई-अटेंडेंस व्यवस्था को कड़ाई से लागू किया जा रहा है।

हाल ही में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में स्कूल शिक्षा विभाग के कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि ई अटेंडेंस को औपचारिकता न मानकर जवाबदेही का हथियार बनाया जाए। अब प्राचार्यों और प्रशासनिक अधिकारियों को सुबह 10 बजे तक स्कूल में मौजूद रहना होगा, जबकि शिक्षकों को 10:30 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। देरी से आने वालों का वेतन तक काटा जा सकता है।

पढ़ाई प्रभावित हुई तो शिक्षक जिम्मेदार-जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी ने कहा कि कई स्कूलों में शिक्षकों की देरी और अनुपस्थिति का असर पढ़ाई पर पड़ रहा है। कोर्स भी पूरा नहीं हो पाता है, जिससे रिजल्ट प्रभावित होता है। इसी कारण अब उपस्थिति को शैक्षणिक प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है।

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में समय पर नहीं पहुंचने वाले शिक्षकों की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ मामलों में राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख का सहारा लेकर कार्रवाई से बचने की कोशिशें भी होती रही हैं। अब ई-अटेंडेंस के जरिए ऐसे मामलों की निगरानी की जाएगी और रिकॉर्ड के आधार पर जवाबदेही तय होगी।

रेनोवेशन के नाम पर पीजी बॉयज हॉस्टल बंद, 30 लाख रुपए सालाना का नुकसान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विश्वविद्यालय प्रशासन की एक ओर बड़ी लापरवाही सामने आई है। विवि के जिम्मेदारों ने रेनोवेशन के नाम पर, बिना किसी पूर्व सूचना, नोटिफिकेशन या उच्च स्तरीय अनुमति के जवाहरलाल नेहरू पीजी बॉयज हॉस्टल को पूरी तरह से बंद कर दिया है। प्रशासन के इस औचक फैसले के कारण हॉस्टल की लगभग 100 सीटें खत्म हो गई हैं, जिससे विभिन्न् विभागों में एडमिशन लेने वाले पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) के छात्रों को रहने के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि इस संबंध में विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर भी कोई सूचना जारी नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार इससे करीब 30 लाख रुपए साल का नुकसान विश्वविद्यालय को होना है। सूत्रों के अनुसार हॉस्टल में करीब 55 कमरे हैं। पिछले साल भी प्रशासन ने इसमें नए एडमिशन नहीं दिए थे और केवल उन छात्रों को रहने दिया था जिनका कोर्स का एक साल बचा था। इस साल घये हुए छात्रों को भी जबरन हटाकर हॉस्टल में शिफ्ट कर दिया गया। इस कारण नए सत्र में आने वाले पीजी के छात्रों को हॉस्टल की सुविधा से पूरी तरह वंचित कर दिया गया है, जिससे बाहर से आने वाले छात्रों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

अन्य

छात्रों की बढ़ी परेशानी-सीयांटी और अन्य माध्यमों से विवि प्रवेश लेने वाले छात्र अब निजी हॉस्टलों और पीजी (पेइंग गेस्ट) में महंगे दामों पर रहने को मजबूर हैं। पिछले शैक्षणिक सत्र में भी मेंटेनेंस के नाम पर केवल सीमित और पुराने छात्रों को ही हॉस्टल में जगह दी गई थी जबकि नए दाखिलों पर रोक लगा दी गई थी। इस बार हॉस्टल को पूरी तरह बंद कर देने से छात्रों की मुश्किलें और बढ़ गई है।

विभागीय समन्वय की कमी-हॉस्टल के मेंटेनेस कार्य की प्रगति और उसमें ही रही देरी को लेकर जिम्मेदारों ने स्पष्ट किया कि रिनोवेशन का पूरा कार्य विवि के यांत्रिक (इंजीनियरिंग) विभाग द्वारा देखा जा रहा है। हॉस्टल प्रशासन के पास जारी निर्माण कार्य और उसकी समय-सीमा से जुड़ी विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

रेनोवेशन के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग

हॉस्टल से जुड़े सूत्रों और छात्रों के अनुसार, पिछले कुछ समय में इस हॉस्टल में वॉटरप्रूफिंग, मेंटेनेंस और ड्रेनेज जैसे कार्यों के नाम पर दो से तीन बार रेनोवेशन करवाया गया, जिसमें लाखों रुपए का सरकारी बजट ठिकाने लगाया गया। सवाल यह उठ रहा हैं कि यदि प्रशासन को इस सत्र से हॉस्टल बंद ही करना था, तो हाल ही में इस पर लाखों रुपए क्यों खर्च किए गए? वर्तमान में भी पूरे हॉस्टल को बंद रखकर केवल आगे के कुछ कमरों में तोड़-फोड़ और बिजली की लाइनें उखाडने का काम किया, जिससे पूरे परिसर की स्थिति और भी जर्जर हो गई।

सहकारिता के रण की तैयारी में भाजपा ?

सत्ता-संगठन ने उतारी अपनी टीम इंदौर रहा खाली हाथ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में भाजपा ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। एक ही दिन सत्ता और संगठन की ओर से सहकारिता से जुड़ी दो महत्वपूर्ण घोषणाओं ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। सवाल उठने लगा है कि क्या भाजपा आगामी सहकारिता चुनावों को लेकर अभी से संगठनात्मक जमीन तैयार कर रही है? प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल की ओर से जारी आदेश में सहकारिता प्रकोष्ठ की कोर टीम घोषित की गई है। इसमें मंत्री विश्वास सारंग, मंत्री लखन पटेल, सांसद शिव मंगल सिंह तोमर, विधायक रमाकांत भार्गव, प्रशासनिक अपेक्स बैंक से जुड़े महेंद्र सिंह यादव, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, विवेक चतुर्वेदी तथा प्रदेश संयोजक किशन सिंह भटोल को स्थान दिया गया है। वहीं दूसरी ओर सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक किशन सिंह भटोल ने प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की है। इसमें चार सह-संयोजक और सात सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है। खास बात यह है कि नियुक्तियां प्रदेश के अलग अलग क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देती दिखाई दे रही हैं।

एक तरफ सरकार से जुड़े मंत्री और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े चेहरे कोर टीम में शामिल किए गए है, वहीं दूसरी ओर संगठन ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पदाधिकारी और सदस्य नियुक्त किए हैं। ऐसे में इसे महज संगठनात्मक नियुक्तियां मानने के बजाय सहकारिता क्षेत्र में भाजपा की आगामी राजनीतिक रणनीति की शुरुआती कवायद के तौर पर भी देखा जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल-इंदौर कहां?

इन नियुक्तियों के बाद भाजपा के भीतर सबसे ज्यादा चर्चा इंदौर के प्रतिनिधित्व को लेकर हो रही है। प्रदेश के सबसे बड़े शहर और भाजपा के मजबूत राजनीतिक गढ़ इंदौर से सहकारिता प्रकोष्ठ की घोषित कोर टीम और प्रदेश कार्यसमिति में किसी भी व्यक्ति को स्थान नहीं मिला है। इंदौर की राजनीतिक और संगठनात्मक ताकत को देखते हुए यह सवाल स्वाभाविक है कि सहकारिता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में प्रदेश की राजनीति में प्रभावशाली भूमिका रखने वाले इंदौर को प्रतिनिधित्व क्यों नहीं मिला? खास तौर पर तब, जब सहकारिता का नेटवर्क प्रदेश के ग्रामीण और कृषि क्षेत्र से सीधे जुड़ा हुआ है और आने वाले समय में सहकारी संस्थाओं से जुड़े चुनाव राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 13 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

हरियाली अमावस्या पर भगवान टीकमजी का हरियाली से हुआ श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम में सावन मास के हरियाली अमावस्या के अवसर पर भगवान टीकम जी श्रृंगार कर हरियाली में सजाया गया। महाआरती हुई। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज ने बताया कि हरियाली अमावस्या के अवसर पर सुबह आचार्य पंडितो, विद्वानों द्वारा पांच नदियों के जल जिसमें नर्मदा, गंगा, जमुना,कावेरी,शिप्रा के जल से वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच अभिषेक किया । उसके बाद टीकम जी का श्रृंगार कर गर्भगृह को पूरे हरियाली फूल पत्ती वनस्पति, चंदन की पत्तियों से सजाया गया, टीकमजी हरियाली में विराजित हुए। साथ ही पूरा परिसर में हरियाली से सुसज्जित दिखा। उसके बाद रात्रि 8:00 बजे भगवान की आरती महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज के सानिध्य में हजारों भक्तो ने की। इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला,हुकुम गोयल हरि नारायण गोयल सुरेंद्र गोयल नारायण अग्रवाल सुरेश व्यास सहित अन्य मौजूद थे।

स्वयं को महान, ज्ञानी और श्रेष्ठ मानना सबसे बड़ी भूल - सुधासागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आज सबसे बड़ी विसंगति यह है कि हम अपनेआप को महान, ज्ञानी और दूसरों से श्रेष्ठ मान बैठे हैं। हर व्यक्ति खुद को श्रेष्ठ बताने से नहीं चूकता लेकिन याद रखें कि हीरा कभी अपने मुंह से नहीं कहता कि मेरा मोल लाखों में है। जो व्यक्ति स्वयं को महान, ज्ञानी और श्रेष्ठ मानता है वह उसकी सबसे बड़ी भूल होती है। हम दुनिया के सामने कुछ भी हों लेकिन जिस दिन भगवान और गुरु के चरणों की धूल बन जाएँगे और यह स्वीकार कर लेंगे कि चरणों की धूल ही सबकुछ है, उस दिन हम सबकुछ प्राप्त कर लेंगे। इसके विपरीत यदि हम गुरु की सभा में यह मानकर बैठेंगे कि मैं ही सबसे बड़ा ज्ञानी और अनुभवी हूँ तो हमारा कल्याण रुक जाएगा। हमारे कल्याण का सबसे सहज मंत्र नमोकार मंत्र है। मन्त्र की कीमत तभी महत्वपूर्ण होगी जब हम उसे गुरुदेव के श्रीमुख से सुनेंगे।

ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती के 15वें पुण्य स्मरण दिवस पर पुष्पांजलि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ब्रह्मलीन स्वामी ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' का सम्पूर्ण जीवन धर्म, समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा में ही समर्पित रहा। उनका चिंतन जीवनभर धर्म और संस्कृति को आगे बढ़ाने में लगा रहा। शिक्षा और संस्कारों को आगे बढ़ाने और वेदपाठी ब्राह्मण बच्चों को मार्गदर्शन देने में उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित बनाए रखा। उनका जीवन चरित्र प्रेरक और अनुकरणीय रहा। आडम्बर और प्रदर्शन से दूर रहने के कारण उनके सदकर्मों की सुगंध युगों-युगों तक बनी रहेगी। विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' के 15वें पुण्य स्मरण दिवस पर बुधवार को सैकड़ों भक्तों, शिष्यों एवं शहर के प्रमुख संतों ने उनके मंदिर एवं उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं भावांजलि समर्पित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए।

एनालॉग पनीर का बड़ा कारोबार होटल- ढाबों और रेस्टोरेंट तक खपत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रदेश में एनालॉग पनीर की बिक्री पर रोक के बाद खाद्य विभाग की कार्रवाई से शहर में इसके बड़े कारोबार का पता चला है। इसे बाजार में एनालॉग पनीर के नाम से नहीं, बल्कि सामान्य पनीर बताकर होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट तक पहुंचाया जा रहा था। दूध से बने पनीर के मुकाबले इसकी कीमत करीब 120 रुपए किलो कम है। शहर की डेयरियों में दूध से बना पनीर करीब 400 रुपए किलो बिक रहा है, जबकि एनालॉग पनीर करीब 280 रुपए किलो में उपलब्ध है। कम कीमत के चलते इसकी खपत खासतौर पर होटल, ढाबों और छोटे फूड आउटलेट में होने की बात सामने आई है।

पालदा, बेटमा, महू और खुड़ैल सहित आसपास के इलाकों में एनालॉग पनीर बनाने वाली बड़ी इकाइयां सक्रिय रही हैं। इनसे जुड़े सप्लायर शहर के अलग-अलग हिस्सों में

इसकी सप्लाई करते हैं। आसपास के छोटे जिलों से भी इसके इंदौर पहुंचने की जानकारी सामने आई है। खाद्य विभाग अब ऐसे ठिकानों की जांच कर रहा है, जहां इसका उत्पादन और भंडारण किया जा रहा है। टीम सप्लाई नेटवर्क के साथ उन होटल-ढाबों और फूड आउटलेट की भी जानकारी जुटा रही है, जहां इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। एनालॉग पनीर को अलग उत्पाद के तौर पर बेचने के बजाय सामान्य पनीर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। होटल, ढाबे और छोटे रेस्टोरेंट के अलावा मोमोज, चाइनीज और दूसरे फूड स्टॉल पर भी इसकी खपत होने की बात सामने आई है।

पनीर की सब्जी, चिली पनीर, मोमोज या दूसरे व्यंजन ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को आमतौर पर यह जानकारी नहीं होती कि उसमें दूध से बना पारंपरिक पनीर इस्तेमाल हुआ है या एनालॉग पनीर। बुधवार को खाद्य व विभाग की टीम ने पालदा स्थित उमापति इंडस्ट्रीज का निरीक्षण किया। यहां लो-फैट पनीर बनाने और पैकिंग का काम चल रहा था। 1,816 किलो एनालॉग पनीर और मावा जब्त किया है। साथ ही इनकी निर्माण इकाई को भी तत्काल प्रभाव से बंद करवाया है।

अखंड परम धाम आश्रम पर स्वामी परमानंद गिरि के सानिध्य में चल रहा ध्यान एवं योग शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मनुष्य जीवन में अनेक तरह की भ्रांतियां आती रहती हैं। सनातन संस्कृति में सत्संग, हरि भजन और प्रभु कृपा से मनुष्य को अमृतत्व की प्राप्ति संभव है। धर्म ही वह तत्व है जो मनुष्य और जानवर में भेद को रेखांकित करता है अन्यथा आहार, निंद्रा, भय और मैथुन के गुण तो जानवरों में भी पाए जाते हैं। एक धर्म ही ऐसा तत्व है जो हमें जानवरों से अलग करता है। जहाँ धर्म नहीं होता वहां सब पशु ही होते हैं, यह मान्यता है। हम सब शुभ कर्मों के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाएं यही हमारा परम लक्ष्य होना चाहिए। ये प्रेरक विचार हैं राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के न्यासी एवं युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज के उत्तराधिकारी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद गिरि के जो उन्होंने बुधवार की शाम को अखंड परम धाम सेवा समिति के तत्वावधान में खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम के परमानंद सभागृह पर चल रहे 30वें ध्यान एवं योग शिविर के दौरान देशभर से आए भक्तों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इसके पूर्व सुबह के सत्र में युगपुरुष स्वामी परमानंद महाराज ने स्वयं योग एवं ध्यान का अद्भुत अभ्यास कराया और कहा कि मन को साध लेना ही ध्यान होता है।

अग्रवाल संगठन पीपल्याहाना के 300 सदस्यों ने जानापाव में निकाली भोले भंडारी की बरात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल संगठन पीपल्याहाना के 300 सदस्यों ने सपरिवार श्रावण मास के उपलक्ष्य में जानापाव कुटी एवं मानपुर स्थित एक रिसोर्ट की पारिवारिक और मनोरंजन से भरपूर यात्रा का आनंद लिया। इस दौरान समाज बंधुओं ने जानापाव में भगवान भोले भंडारी की बरात और रिसोर्ट में पूल पार्टी के साथ सावन के झूलों सहित अनेक पारिवारिक मनोरंजक गेम्स में भी भाग लिया। संगठन के अध्यक्ष कृष्णा गुप्ता एवं सचिव आलोक बंसल ने बताया कि यात्रा में संयोजक पीयूष गर्ग, मनीष खजांची एवं अमित अग्रवाल ने श्रावण मास की परम्परा का निर्वाह

करते हुए जानापाव में भगवान भोले भंडारी की महाबरात का आयोजन भी ढोल-नगाड़ों, भक्ति-संगीत एवं भगवान शिव के गणों तथा शिव-पार्वती, भूत, प्रेत, चुड़ैल एवं गौरी-शंकर के रूप में सजे महिला-पुरुषों एवं कलाकारों के साथ किया।

भारत माता 'माँ तुझे सलाम' : देशभक्ति से ओतप्रोत भव्य आयोजन 15 अगस्त को इंदौर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सर सेठ हुकुमचंद जी की धर्म नगरी इंदौर श्रमंण संस्कृति के महाश्रमण श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं संसघ के सानिध्य में दलाल बाग में होगा विशेष कार्यक्रम । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 15अगस शनिवार को भव्य एवं ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा, ध्वज वंदन एवं मां तुझे सलाम नामक देशभक्ति से ओतप्रोत अनेक प्रस्तुतिया और गुरुदेव का भारत के नाम ओजस्वी मंगल देशना यह आयोजन सुधा सागर धर्म प्रभावना समिति, सकल दिगंबर जैन समाज इंदौर द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन को परम पूज्य निर्यापक मुनि पुंगव, तपस्वी सम्राट, अंनत ज्ञान के सागर, जिनशासन गौरव, युगप्रेरक, ओजस्वी वाणी के धनी पूज्य श्री 108 सुधा सागर जी महाराज* का मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त है। आयोजकों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बच्चों और युवाओं को धर्म, संस्कार और देशभक्ति से जोड़ना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम स्थल दलाल बाग, छत्रपति नगर, इंदौर में आयोजित होगा।

अग्रवाल समाज महासंघ से जुड़े समाज बंधु पहुंचे फिल्म देखने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज महासंघ विजय नगर से जुड़े डेढ़ सौ से अधिक समाज बंधुओं ने महासंघ के संरक्षक किशोर गोयल के मार्गदर्शन में मल्हार मेगा मॉल स्थित मल्टीप्लेक्स में 'धमाल-4' फिल्म प्रदर्शन में भागीदारी की और यातायात पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त विक्रम सिंह रघुवंशी को आमंत्रित कर उनकी मौजूदगी में यातायात नियमों के पालन का संकल्प भी लिया। महासंघ के पिछले 13 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका था जब समाज बंधुओं ने एक साथ बैठकर फिल्म देखी। इस अवसर पर महासंघ के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द मंगल, केके गोयल, अजय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं संचालक मंडल के सदस्य भी विशेष रूप से मौजूद रहे। महासंघ अध्यक्ष नीतेश बंसल, उपाध्यक्ष नीरज गोयल, संदीप अग्रवाल, अमित बंसल, पवन अग्रवाल एवं पंकज अग्रवाल ने सभी समाज बंधुओं का स्वागत किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए नीरज गोयल, नवधा अग्रवाल, हितांश बंसल एवं रक्षित सिंघल का सम्मान किया गया। सभी समाज बंधुओं ने कार्यक्रम की सराहना की।

खजराना गणेश मंदिर पर सीकेपी महिला मंडल की बहनें करेंगी लक्ष्मी एवं अन्नपूर्णा की कुमकुम अर्चना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • चांद्रसेनीय कायस्थ प्रभु महिला (सीकेपी) मंडल के तत्वावधान में रविवार, 16 अगस्त को खजराना गणेश मंदिर परिसर स्थित अन्न क्षेत्र के ऊपर प्रथम मंजिल पर कुमकुमार्चन का दिव्य आयोजन सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। मंडल की अध्यक्ष छाया दिघे ने बताया कि मंडल से जुड़ी 100 से अधिक महिलाएं 1008 बार मंत्रों से आराधना करते हुए देवी लक्ष्मी एवं देवी अन्नपूर्णा का कुमकुम अभिषेक करेंगी और परिवार, समाज एवं राष्ट्र में सुख, शांति और सौभाग्य की मंगल कामना से अनुष्ठान में शामिल होंगी। महिलाएं परम्परागत परिधान में सज-धजकर आएंगी और अनुष्ठान के पश्चात खजराना गणेश मंदिर आने वाले भक्तों के लिए सेवा कार्य भी करेंगी।

देवास में निकली तिरंगा यात्रा, उपमुख्यमंत्री देवड़ा शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • शहर में बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कलेक्टर ऋतुराज सिंह और एसपी पुनीत गेहलोत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी और शहरवासी शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा खुद हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में चले। उनके साथ कलेक्टर और एसपी भी तिरंगा लेकर यात्रा का हिस्सा बने। स्कूलों से पहुंचे हजारों विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा में उत्साह बढ़ाया। हल्की बूंदाबांदी और फुहारों के बीच भी यात्रा का जोश बना रहा और पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल नजर आया। तिरंगा यात्रा में उपमुख्यमंत्री स्वयं हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। उनके साथ कलेक्टर ऋतुराज सिंह और एसपी पुनीत गेहलोत भी यात्रा में चलते नजर आए। प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ शहर के वरिष्ठ नागरिकों तथा सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी तिरंगा लेकर यात्रा में भाग लिया।

प्रदेश में पहली बार आउटसोर्स से चलेंगे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तीन जिलों की 18 सीएचसी से शुरू होगा पायलेट

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश में पहली बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) का संचालन पूरी तरह से आउटसोर्स सिस्टम से किया जाएगा। डॉक्टरों और एक्सपर्ट्स की भारी कमी से जूझ रही स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार ने इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मंजूरी दी है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आदेश के मुताबिक, पहले चरण में रीवा, देवास और गुना की कुल 18 सीएचसी को इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। यह पायलट प्रोजेक्ट शुरुआती तौर पर 05 साल के लिए लागू किया गया है। इसके तहत चुने गए निजी सेवा प्रदाता एजेंसी या ट्रस्ट को अस्पतालों का संचालन-प्रबंधन, हाउसकीपिंग, सिक्योरिटी, तय मापदंडों पर डॉक्टरों और विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

पायलट प्रोजेक्ट में सीएचसी इंफ्रास्ट्रक्चर 'जैसा है, जहां है' की तर्ज पर निजी हाथों में सौंपा जाएगा। हालांकि, मरीजों को राहत देने के लिए सरकारी दवाई, टीके, ओपीडी/आईपीडी और सर्जरी से जुड़ा सामान राज्य सरकार की नीति के अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुहैया कराया जाएगा। अस्पतालों में पहले से तैनात सरकारी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को एक बार के लिए जिले के दूसरे संस्थानों में ट्रांसफर का विकल्प दिया जाएगा। जो ट्रांसफर नहीं लेंगे, उनके वेतन का भुगतान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से किया जाएगा।

नर्मदा लाइन फूटी, लाखों लीटर पानी बहा, सड़क बनी तालाब

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • मिश्रीलाल नगर में बुधवार को नर्मदा लाइन अचानक फूट गई। इससे लाखों लीटर पानी सड़क पर बह निकला और करीब आधे घंटे तक सड़क तालाब में तब्दील रही। तेज बहाव के कारण आसपास की दुकानों में भी पानी घुस गया, जिससे दुकानदारों को नुकसान हुआ।

दुकानदार जीतू रघुवंशी ने बताया कि उनकी दुकान के पास नर्मदा लाइन का काम चल रहा था। पाइपलाइन फटने से पानी उनकी दुकान के अंदर तक पहुंच गया। पानी घुसने से दुकान में रखी लगभग 25 से 30 बोरी सीमेंट खराब होने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, अन्य सामान भी पानी की चपेट में आया।

अधिकारियों ने वाल्व बंद कर रोका पानी

रघुवंशी ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में नर्मदा लाइन का काम ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। काम के दौरान पर्याप्त सावधानी नहीं बरती गई, जिसके कारण यह घटना हुई। पाइपलाइन फटने के बाद लगभग 30 मिनट तक पानी सड़क पर बहता रहा, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और वाल्व बंद किया, जिसके बाद पानी का बहाव रुका। इस घटना के बाद स्थानीय दुकानदारों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और काम में बरती जा रही लापरवाही पर सवाल उठाए हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

॥ बीज़ ॥

एक बीज की कच्ची कीमत कुछ पैसों से ज़्यादा नहीं होती। वही बीज अगर अंकुरित होकर पौधा बन जाए तो उसकी उपयोगिता बढ़ जाती है।यदि वही पौधा वर्षों में पेड़ बन जाए तो वह छाया, ऑक्सीजन और फल देता है, जिसकी कीमत कहीं अधिक हो जाती है। और अगर उसी पेड़ की लकड़ी को कारीगर अपने कौशल से वाद्य यंत्र बना दे, तो उसका मूल्य अनगिनत गुना बढ़ सकता है। पर जब वही लकड़ी एक महान कलाकार के हाथों में जाकर वीणा या सितार बने और उस पर राग छेड़ा जाए, तब उसका महत्व केवल रुपयों में नहीं, बल्कि अमरता में मापा जाता है।

यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि किसी वस्तु का वास्तविक मूल्य उसकी उत्पत्ति से तय नहीं होता, बल्कि इस पर निर्भर करता है कि उसे किस रूप में ढाला गया, किस उद्देश्य के लिए तैयार किया गया और उसमें कितनी सूक्ष्मता व समर्पण जोड़ा गया। मनुष्य भी बिल्कुल ऐसा ही है। हमारा जन्मस्थान, परिवार, परिस्थितियाँ–ये सब केवल 'बीज' हैं। पर असली पहचान इस बात से बनती है कि हम स्वयं को किस स्तर तक विकसित करते हैं। अगर हम केवल साधारण जीवन जीकर रुक जाते हैं, तो हम 'पौधे' भर रह जाते हैं। अगर ज्ञान, अनुभव और कर्म से खुद को मजबूत बनाते हैं, तो हम 'पेड़' बन जाते हैं। और अगर उसी जीवन को निखारकर समाज के लिए प्रेरणा, कला या विज्ञान का साधन बनते हैं, तो हम 'वाद्य यंत्र' बनकर अमर हो जाते हैं।

इसलिए असली प्रश्न यह नहीं है कि आप किस वंश में जन्मे हैं, बल्कि यह कि आप स्वयं को किस ऊँचाई तक ले जाने का साहस रखते हैं।अपना वातावरण स्वयं रचिए, परिस्थितियों को दोष मत दीजिए।याद रखिए–बीज में ही वृक्ष छिपा है, पर वृक्ष बनने के लिए धूप, पानी, धैर्य और प्रयास चाहिए।

– सतीश शर्मा

स्वतंत्रता केवल इतिहास की उपलब्धि नहीं, भविष्य की भी जिम्मेदारी

15 अगस्त वह दिव्य दिवस है जब शताब्दियों की दासता के पश्चात भारत ने पुनः अपने भाग्य का निर्धारण स्वयं करने का अधिकार प्राप्त किया। असंख्य ज्ञात-अज्ञात क्रांतिवीरों के बलिदान, माताओं के अश्रु, युवाओं के रक्त और तपस्वियों के त्याग से सिंचित यह दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, कृतज्ञता और आत्मचिंतन का पर्व है। किंतु आज, जब हम स्वतंत्रता के अस्सी वर्षों के समीप खड़े हैं, तब एक प्रश्न हमारे समक्ष गंभीरता से उपस्थित है—क्या स्वतंत्रता केवल प्राप्त कर लेने की वस्तु है, अथवा उसका संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है?

भारत वह भूमि है जिसने वेदों की ऋचाएँ सुनी हैं, उपनिषदों का चिंतन किया है, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा को आत्मसात किया है। यहाँ तक्षशिला और नालंदा ने ज्ञान का सूर्य बनकर विश्व को आलोकित किया है। यह वही राष्ट्र है जिसने गणराज्यों की परंपरा विकसित की, विज्ञान, गणित, चिकित्सा और दर्शन के क्षेत्र में मानवता को अमूल्य योगदान दिया। इसलिए 15अगस्त1947 को हम अपनी राजनीतिक स्वाधीनता की पुनर्प्राप्ति का दिन कहते हैं।

इतिहास बताता है कि राष्ट्र केवल बाहरी आक्रमणों से नहीं टूटते; वे तब दुर्बल होते हैं जब उनके भीतर आत्मविस्मृति का अंधकार फैलने लगता है। आज हमारे सामने भी यही चुनौती उपस्थित है। स्वतंत्रता प्राप्ति के दशकों बाद भी वैचारिक उपनिवेशवाद, सांस्कृतिक हीनभावना, ऐतिहासिक विस्मरण और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उदासीनता अनेक रूपों में दिखाई दे रही है – कहीं भाषा के प्रति उपेक्षा है तो कहीं संस्कृति को पिछड़ेपन का पर्याय मानने की प्रवृत्ति। कहीं इतिहास को विकृत दृष्टि से देखने का आग्रह है तो कहीं राजनीतिक स्वार्थ राष्ट्रहित से ऊपर रखकर आतंकी शक्तियों और देश विरोधी ताकतों को सहारा दिया जा रहा है। 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे नारे केवल राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति नहीं हैं; वे उस चेतना पर प्रहार हैं जिसने सहस्राब्दियों से इस राष्ट्र को एक सूत्र में बाँध रखा है। वे क्रांति वीरों की उस वाणी की अवहेलना है जो कहती है – 'इस देश को रखना मेरे बच्चों संभालके '।

विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति होती है, पर राष्ट्र की अखंडता पर प्रश्नचिह्न लगाना

स्वतंत्रता की मूल भावना के विपरीत है। दुर्भाग्य से कुछ राजनीतिक शक्तियाँ अल्पकालिक लाभ और वोट बैंक की खातिर समाज में विभाजन की रेखाएँ गहरी करती दिखाई देती हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र और संप्रदाय के नाम पर खड़े किए जा रहे कृत्रिम संघर्ष राष्ट्रीय एकात्मता के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

आज की विषम परिस्थितियों में – सूचना-विस्फोट के इस युग में युवाओं के सामने तथ्यों से अधिक भ्रम और शोर उपस्थित है। सोशल मीडिया की तात्कालिकता अनेक बार उन्हें इतिहास, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति संतुलित दृष्टि विकसित करने का अवसर नहीं देती। परिणाम हम देख रहे हैं कि अधिकांश युवा स्वतंत्रता को केवल अधिकारों के रूप में देखते हुए उसके साथ जुड़े कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को विस्मृत कर रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों की जागरूकता और निष्ठा में निहित होती है।

आज स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, वरन् आत्मपरीक्षण का पर्व भी होना चाहिए, क्योंकि स्वतंत्रता केवल प्राप्त की जाने वाली उपलब्धि नहीं, निरंतर संरक्षित किए जाने वाला दायित्व है। राष्ट्र की स्वतंत्रता तो प्रत्येक पीढ़ी से संरक्षण की अपेक्षा रखती है।

इसीलिए हमारा आग्रह है कि 15 अगस्त को केवल स्वतंत्रता दिवस के रूप में नहीं, 'स्वतंत्रता संरक्षण दिवस' के रूप में भी स्मरण किया जाए। मेरी दृष्टि में इससे चेतना का जागरण होगा,जो हमें अपनी भूमि, संस्कृति, संविधान, पर्यावरण, इतिहास और राष्ट्रीय एकता के प्रति उत्तरदायी बनाएगी। संरक्षण का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है; यह अपनी भाषाओं की रक्षा, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, सामाजिक समरसता की रक्षा और प्रकृति की रक्षा भी है।

आज स्वतंत्रता संरक्षण का अर्थ है – राष्ट्र की एकता के प्रति अटूट निष्ठा, संविधान के प्रति सम्मान, नागरिक कर्तव्यों का पालन, परस्पर सद्भाव का संवर्धन, भारतीय भाषाओं और ज्ञान-परंपराओं का संरक्षण, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तथा ऐसी शिक्षा का विकास जो युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ सके। यदि स्वतंत्रता हमें अधिकारों का बोध कराती है, तो स्वतंत्रता संरक्षण हमें उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कर्तव्यों का स्मरण कराता है।

तो आइए, इस 15 अगस्त पर एक राष्ट्रीय संकल्प लें कि हम स्वतंत्रता को केवल इतिहास की उपलब्धि नहीं, भविष्य की जिम्मेदारी मानेंगे। हमारा प्रयास ऐसी पीढ़ी का निर्माण होगा, जो राष्ट्र को केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना के रूप में देखे। हम मतभेदों से ऊपर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे। हम अधिकार माँगेंगे, तो साथ ही कर्तव्यों का पालन भी करेंगे। हम स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उसके संरक्षण के लिए सदा सजग भी रहेंगे। तभी 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता दिवस नहीं रहेगा; वह स्वतंत्रता संरक्षण का राष्ट्रीय संकल्प दिवस बन जाएगा – एक ऐसा दिवस जो हमें स्मरण कराए कि स्वतंत्रता प्राप्त करना जितना कठिन था, उसे अक्षुण्ण बनाए रखना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण।

लेखकः प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश,
स्वतंत्र पत्रकार

व्यंग्य लेख

आजादी मिली थी, गुलामी हमने खुद चुन ली

कमाल की आज़ादी है हमारी! अंग्रेज़ों को भगाने के बाद हमने गुलामी के इतने नए दरवाज़े खोल लिए कि अब किसी विदेशी हुकूमत को मेहनत करने की जरूरत ही नहीं। 15 अगस्त को ध्वजारोहण होगा। राष्ट्रगान बजेगा। भाषणों में शहीदों का जिक्र होगा। तालियाँ पड़ेंगी। तस्वीरें खिंचेंगी। और फिर हम उसी दिन वापस अपनी-अपनी गुलामियों की ड्यूटी पर लौट जाएँगे।

कोई मोबाइल का गुलाम है, कोई सोशल मीडिया का; किसी की खुशी 'लाइक' से, तो किसी की हैसियत 'फॉलोअर' से तय होती है। कोई ट्रेंड के पीछे भागता है, कोई भीड़ के साथ, क्योंकि अपनी राय बनाने से आसान है दूसरों की नकल करना। कोई बाज़ार का गुलाम है—जरूरत हो या न हो, विज्ञापन कहेगा तो खरीदेंगे। कोई ब्रांड का, कोई दिखावे का, कोई किस्त और कर्ज का। जेब खाली हो सकती है, खरीदारी नहीं; घर छोटा हो सकता है, ईएमआई बड़ी होनी चाहिए।

कोई नौकरी और पद का गुलाम है, कोई पैसे का; कोई समाज क्या कहेगा का, तो कोई रिश्तेदारों की राय का। बच्चे अंकों के गुलाम हैं, युवा प्रतियोगिता और नौकरी की दौड़ के, और बड़े-बुजुर्ग अपनों के समय को तरस रहे हैं। लेकिन सबसे खतरनाक गुलामी जाति, धर्म और राजनीति की है। हम इतने 'आज़ाद' हैं कि अपने नेता की गलती को भी सही साबित करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। सवाल पूछना देशद्रोह लगता है और आंख बंद करके समर्थन करना देशभक्ति।

अंग्रेज़ों की गुलामी में बेड़ियाँ हाथों में थीं, इसलिए गुलामी साफ दिखाई देती थी। हमारी गुलामी का अंदाज़ देखिए—जंजीरें भी अपनी, ताले भी अपने और चाबी भी अपनी; फिर भी हम इसे पसंद, सुविधा और आज़ादी कहकर गर्व से ढो रहे हैं। इस 15 अगस्त ध्वजारोहण कीजिए, तिरंगे को सलाम कीजिए, मगर एक सवाल खुद से भी कीजिए—अंग्रेज़ 1947 में चले गए, अब हमारी चुनी हुई गुलामियाँ कब जाएँगी?

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026

दिल्ली में "विकसित भारत@2047 के लिए युवा शक्ति कार्यक्रम" हेतु ओम रावत को आमंत्रित किया गया

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 के अवसर पर, रक्षा मंत्रालय ने "मेरा युवा भारत" (माय भारत) पोर्टल एवं MyGo1 पोर्टल के सहयोग से 1 जून से 31 जुलाई 2026 तक प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया। जिसमें चार ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसें भारत के संविधान पर प्रश्नोत्तरी – मौलिक अधिकार, कर्तव्य, प्रमुख अनुच्छेद और निर्माता, भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाएं – रानी लक्ष्मीबाई से सरोजिनी नायडू और उसके बाद, आधुनिक भारत के प्रमुख मील के पत्थर पर प्रश्नोत्तरी – तकनीकी प्रगति और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उपलब्धियां और परमाणु प्रौद्योगिकी में भारत की सफलता की गाथा विषयों पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य 1947 में स्वतंत्रता से लेकर 2047 की आकांक्षाओं तक भारत की असाधारण यात्रा को प्रदर्शित करना था। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं और छात्रों को एक मजबूत, नवोन्मेषी और आत्मनिर्भर भारत के लिए अपनी रचनात्मकता, ज्ञान और दृष्टिकोण प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उक्?त प्रतियोगिता में देशभर से कुल 113,578 युवाओं ने भाग लिया। जिसमें सर्वश्रेष्?ठ 114 चयनित युवाओं में से धार के प्रतिभावान छात्र ओम रावत का भी चयन हुआ है।

ओम रावत और उनके पिता श्री संतोष रावत को नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में

विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह अवसर उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है, क्योंकि उनकी इस उपलब्धि को माय भारत युवा कार्यक्रम के तहत उनकी सक्रिय भागीदारी और युवाओं को प्रेरित करने के योगदान के रूप में मान्यता मिली है। ओम रावत वर्तमान में कक्षा 11वीं गणित में अध्ययनरत है।

जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत ने बताया कि ओम रावत का चयन पूर्व में भी विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 में होने पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से वर्चुअल माध्यम से युवा संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित हो चुका है तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के श्मेरा युवा भारतश् (माय भारत) पोर्टल के माध्यम से युवाओं को 'Gen-Z Against Addiction' (नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत) अभियान से जोड़ने एवं समाज को जागरूक करने हेतु सक्रिय सहभागिता करता है। ओम रावत का चयन उनकी विशेष उपलब्धियों के आधार पर किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ओम रावत सीएससी ओलंपियाड में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर टेबलेट जीता था। ओम रावत की इस उपलब्धि एवं देश में धार जिले को गौरवावित करने पर उनके प्राचार्य द्वारा उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मिलित होने के पूर्व इंटलीजेंस ब्यूरों दिल्ली की टीम द्वारा धार आकर वैरिफिकेशन किया गया। समारोह में युवा शक्तिरू विकसित भारत@2047 की यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की उपलब्धियों को सम्मानित किया जाएगा और उन्हें लाल किले की प्राचीर पर बैठाया जाएगा।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने का अवसर 'मेरा भारत' (माई भारत) के स्वयंसेवक मिलकर लाल किले की प्राचीर के सामने ज्ञानपथ पर 'वंदे मातरम' की आकृति बनाएंगे। जो उनकी देशभक्ति की भावना और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्रीजी द्वारा'सेवा तीर्थ' कर्तव्य, करुणा और 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्धता की भावना को ध्यान में रखते हुए देश के मुख्य कार्यक्रम के निमंत्रण कार्ड में 'सेवा तीर्थ' को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में भोजशाला मामले की सुनवाई टली

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं पर बुधवार को भी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। इससे पहले 5 अगस्त को भी सुनवाई टल गई थी और कोर्ट ने अगली तारीख 12 अगस्त तय की थी। कार्यवाही आगे नहीं बढ़ने से मामले में अगली सुनवाई का इंतजार है। दरअसल, 15 मई 2026 को इंदौर हाईकोर्ट ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर घोषित करते हुए हिंदू समाज को वहां रोजाना पूजा करने की अनुमति दी थी। इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने सुप्रीम कोर्ट में पांच याचिकाएं दायर की थीं।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को अंतरिम आदेश जारी किया था। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिए थे कि मुस्लिम समाज के लिए हर शुक्रवार जुमे की नमाज अदा करने के लिए भोजशाला के पास ही किसी खाली वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था की जाए। इसके बाद प्रशासन ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। प्रशासन ने चालीस पीर दरगाह के पास स्थित खाली जमीन पर नमाज की व्यवस्था करने की बात कही। इस जगह को समतल भी कराया गया था। मुस्लिम समाज ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताई। समाज के लोगों का कहना था कि चालीस पीर दरगाह भोजशाला से काफी दूर है। उनका कहना था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला से लगी खाली जमीन पर नमाज की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके बाद मुस्लिम समाज ने चालीस पीर की जगह पर जुमे की नमाज नहीं पढ़ी और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार को भोजशाला के पास ही उपयुक्त खाली जगह उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रशासन ने भोजशाला के पिछले हिस्से की दाहिनी ओर स्थित खसरा नंबर 612 की जमीन को जुमे की नमाज के लिए तय किया। पिछले दो शुक्रवार से मुस्लिम समाज के लोग इसी जमीन पर जुमे की नमाज अदा कर रहे हैं। नमाज के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था भी की जा रही है। दोनों शुक्रवार को नमाज शांतिपूर्वक हुई।

जाट समाज की बैठक, 1 सितंबर को भोपाल में होने वाले महासम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर● सातलाई में बुधवार शाम को जाट समाज की एक अहम बैठक रखी गई। इसमें 1 सितंबर को भोपाल में होने वाले 'जाट संकल्प महासम्मेलन' की तैयारियों को लेकर खुलकर बातचीत की गई। यह बैठक अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मन्नू दांतल और प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर जाट की देखरेख में हुई। इसका मुख्य मकसद संगठन को मजबूत बनाना और समाज में एकजुटता बढ़ाना था। मन्नू दांतल और ईश्वरलाल जाट ने समाज के लोगों से बात की और सभी से मिलकर काम करने व भोपाल महासम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की। महासम्मेलन की तैयारियों के साथ-साथ समाज से जुड़े कई दूसरे अहम मसलों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बड़ी संख्या में जुटे पदाधिकारी

इस मौके पर नीरज जाट, कांतिलाल जाट, राधेश्याम सरपंच देवास, धार तहसील अध्यक्ष विकास जाट, अखिल भारतीय जाट महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मंशाराम जाट, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष अंजुसिंह जाट, राष्ट्रीय सचिव वंदना जाट, प्रदेश सचिव हंसा जाट, धार जिला अध्यक्ष राजश्री जाट, इंदौर जिला सचिव मोहिनी जाट, अध्यक्ष राधेश्याम जाट और युवा अध्यक्ष दिनेश जाट फौजी समेत कई जिलों के पदाधिकारी और समाज के लोग बड़ी तादाद में मौजूद रहे।

नाला पार करके स्कूल जा रहे, जनपद अध्यक्ष के गांव में सालों से रोड नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

धरमपुरी ● धरमपुरी विकासखंड में मौजूद शासकीय हाई स्कूल बलवारी के छात्र-छात्राओं को हर बारिश में स्कूल जाने के लिए उफनता नाला पार करना पड़ता है। जनपद पंचायत अध्यक्ष राधेश्याम सिंगारे के अपने ही गांव में यह समस्या सालों से बनी हुई है, जहां बच्चों को घुटने तक पानी में चलकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है।

बारिश के दिनों में नाले में पानी भरते ही छोटे-बड़े बच्चे अपनी यूनिफॉर्म ऊपर समेटकर घुटने-घुटने पानी में उतरने को मजबूर हैं। एक हाथ में बैग संभालते और कीचड़ से सने पैरों के साथ बच्चे किसी तरह स्कूल पहुंचते हैं। कपड़े पूरी तरह भीग जाने के कारण उन्हें करीब 6 घंटे तक गीली ड्रेस में ही क्लास में बैठना पड़ता है, जिससे कई बच्चे बीमार भी पड़ रहे हैं।

सालों से नहीं हुई सुनवाई

प्रभारी प्राचार्य संध्या सिंह ने बताया कि यह दिक्कत कई सालों पुरानी है। शासन को इस बारे में कई बार लिखा गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। बरसात में बच्चों की पढ़ाई बहुत ज्यादा प्रभावित हो रही है। वहीं गांव के प्रदीप गिरवाल ने बताया कि नाले पर एक बार सिर्फ एक ट्रॉली मुरूम डालकर काम अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।

छात्राओं ने बयां किया दर्द

कक्षा 9 की छात्रा सलोनी बुंदेला ने बताया कि नाला पार करते वक्त सलवार ऊपर पकड़नी पड़ती है और भीगे कपड़ों में पूरे दिन क्लास में बैठना बेहद मुश्किल होता है। वहीं छात्रा अंशिका गिरवाल ने कहा कि रोज नाला पार करने से पूरे कपड़े गीले हो जाते हैं, अगर यहां पक्की सड़क बन जाए तो बड़ी राहत मिलेगी।

इंदौर की हारमनी जैन तैराकी में बनी नेशनल चैंपियन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की होनहार युवा तैराक एवं शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर की कक्षा 9वीं की छात्रा हारमनी जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इंदौर और मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित 42वीं सब-जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप (स्विमिंग) में हारमनी जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का गौरव प्राप्त किया।

हारमनी की इस उपलब्धि से उनके विद्यालय, परिवार और इंदौर के खेल जगत में हर्ष का माहौल है। कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर दो पदक जीतना उनकी प्रतिभा, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

हारमनी की सफलता के पीछे उनके प्रशिक्षकों असिम गोयल सर एवं मनोज दवे सर के मार्गदर्शन, कठिन प्रशिक्षण और निरंतर प्रोत्साहन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हारमनी ने अपने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में यह शानदार उपलब्धि हासिल की।इसी नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशीप में 100 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक भी प्राप्त हुआ है।पिछले दिनों भोपाल में आयोजित सीबीएससी एक्वेटिक काम्पीटिशन में सभी स्पर्धाओं में 7 गोल्ड मैडल जीतकर स्टेट चैंपियन बन चुकी है। हारमनी जैन की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल परिवार, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं खेलप्रेमियों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। हारमनी की यह सफलता इंदौर की उभरती हुई खेल प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणादायी है।

गिल रचेंगे इतिहास, कप्तान के पास सुनहरा मौका...

गॉल (एजेंसी) ● भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत शनिवार से होने वाली है। हाल ही में भारतीय टीम ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मुकाबले में छह विकेट से जीत दर्ज की थी और अब टेस्ट सीरीज में भी इसी प्रदर्शन को बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के पास आगामी सीरीज में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का

मौका है। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और उनके पास 3000 रन पूरा करने का सुनहरा मौका है। उनको श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 157 रनों की जरूरत है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शुभमन गिल ने 40 मैचों में 2843 रन बनाए हैं। उनके नाम 10 शतक और 8 अर्द्धशतक हैं। गिल के अलावा ऋषभ पंत और रोहित शर्मा भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर हैं।

प्रज्ञानानंद ने सिंकफील्ड कप में जीता दूसरे दौर का मैच

सेंट लुईस (एजेंसी) ●ग्रैंड मास्टर आर प्रज्ञानानंद ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए सिंकफील्ड कप के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ जीत दर्ज की। वहीं महिला वर्ग में विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर्स आर वैशाली का बिबिसारा असौबायेवा के साथ हुआ मुकाबला ड्रा रहा। छह घंटे तक चला यह मुकाबला दोनों खिलाडियों के बीच बराबरी की स्थिति में ही रहा, लेकिन उज्बेकिस्तान के सिंदारोव ने 82वीं चाल में एक गलती कर दी और प्रज्ञानानंद ने उसका सटीक

जवाब दिया, जिसके बाद उज्बेक खिलाड़ी ने 13 चालों के बाद हार मान ली। यह मुकाबला 95 चालों तक चला। इस जीत के साथ, प्रज्ञानानंद के 2 राउंड में 1.5 अंक हो गए हैं, जो फैबियानो कारुआना, वेस्ली सो, लेवोन अरोनियन और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव के बराबर हैं और ये पांचों खिलाड़ी शुरुआती रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। सेंट लुइस में आयोजित केर्न्स कप में भारतीय महिला टीम के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा, क्योंकि दूसरे दौर में तीनों खिलाडियों ने मिलकर सिर्फ आधा अंक हासिल किया। हम्पी और वैशाली दोनों के दो राउंड में 0.5 अंक हैं, जबकि दिव्या के पास एक अंक है।

मेरे सपनों को पूरा करने करण ने खुद का त्याग किया : सुरभि

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सुरभि चंदना ने अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक यात्रा पर खुलकर बात की। उन्होंने अपनी असाधारण सफलता का पूरा श्रेय अपने पति करण शर्मा को देते हुए कहा कि करण हर कदम पर उनके लिए एक मजबूत स्तम्भ बनकर खड़े रहे हैं। सुरभि ने भावुक होते हुए बताया कि कैसे करण ने उनके सपनों को पूरा करने के लिए अपने निजी जीवन के कई महत्वपूर्ण अवसरों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने साझा किया कि वे और करण 21 साल की कम उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं और अब वे दोनों 36 वर्ष के हो चुके हैं। इस लंबे सफर में उन्होंने एक-दूसरे को न केवल व्यक्तिगत रूप से बढ़ते देखा है, बल्कि पेशेवर ऊंचाइयों को छूते हुए भी देखा है। सुरभि ने याद करते हुए कहा, हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ ही बड़े हुए हैं।

सोनल के डांस ने बढ़ाया 'मिर्जापुर: दि मूवी' का क्रेज

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सोनल चौहान 'मिर्जापुर: दि मूवी' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें सोनल चौहान हाई-एनर्जी डांस नंबर में नजर आ रही हैं। ट्रेलर में सोनल की झलक भले ही छोटी है, लेकिन उनके डांस ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। उनके किरदार को लेकर कई सवाल भी उठ रहे हैं। दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि सोनल का किरदार फिल्म की कहानी में किस तरह का मोड़ लेकर आएगा। ट्रेलर लांच कार्यक्रम में सोनल चौहान ने अपने किरदार को लेकर कहा कि हम मिर्जापुर में तूफान लाने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो भी आप देखने वाले हैं, वो आपके होश उड़ा देगा। मिर्जापुर: दि मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म की कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु, अभिषेक बनर्जी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रवि किशन, जितेंद्र कुमार, कुलभूषण खरबंदा और रसिका दुगल समेत कई कलाकार नजर आएंगे। कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी फिल्म के सह-निर्माता हैं। फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उज्जैन संभाग

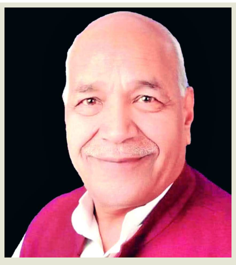

अग्रवाल बने सिंहस्थ प्राधिकरण के अध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सिंहस्थ प्राधिकरण में नियुक्ति को लेकर चल रही अटकलों पर अब विराम लग गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उज्जैन विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष तथा भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल को सिंहस्थ प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अग्रवाल की नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे अग्रवाल को प्रशासनिक एवं राजनीतिक अनुभव का लाभ सिंहस्थ की तैयारियों में मिलने की उम्मीद है। उनके नेतृत्व में सिंहस्थ से जुड़े विकास कार्यों और व्यवस्थाओं को गति मिलने की संभावना है।

देशभर के तीर्थों से श्री क्षेत्र पंडा समिति के समर्थन में उठी आवाज

परंपरागत शिप्रा आरती को नहीं रोकने की मांग, तीर्थ पुरोहित संगठनों ने जताया विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शिप्रा आरती को लेकर पिछले छह दिनों से चल रहे विवाद के बीच अब देशभर के तीर्थ पुरोहित संगठन श्री क्षेत्र पंडा समिति के समर्थन में खुलकर सामने आने लगे हैं। समिति द्वारा वर्षों से निर्धारित स्थान पर की जा रही परंपरागत शिप्रा आरती को हटाने के प्रयास तथा प्रशासन द्वारा महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के माध्यम से घाट क्षेत्र में आरती प्रारंभ किए जाने के विरोध में विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों से आवाज उठ रही है। श्री क्षेत्र पंडा समिति के अध्यक्ष पंडित राजेश त्रिवेदी ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय तीर्थ पुरोहित महासभा के अध्यक्ष रामकृष्ण तिवारी के आह्वान पर देशभर के तीर्थ पुरोहित संगठनों ने इस मामले में समर्थन व्यक्त किया है। उनका कहना है कि उज्जैन की शिप्रा आरती वर्षों पुरानी तीर्थ परंपरा से जुड़ी हुई है और इसे उसके पारंपरिक स्वरूप एवं स्थान से हटाया जाना उचित नहीं है।

समिति के अनुसार काशी तीर्थ पुरोहित सभा वाराणसी, सरयू तीर्थ पुरोहित समिति अयोध्या, सोमपुरा ब्राह्मण सभा सोमनाथ, श्री गंगा

गोदावरी पंचकोटी पुरोहित संघ नासिक, ब्राह्मण तीर्थोदक सभा कुरुक्षेत्र, ब्रह्म व्रत नवजीवन सेवा समिति बिठूर, बृजवासी पंडा सभा वृंदावन-मथुरा, यमुना महारानी आरती मुकुट मंडल विश्राम घाट मथुरा, पंडा धर्मरक्षणी सभा देवघर झारखंड, तीर्थ पुरोहित हितकारी संस्थान मिश्रित तीर्थ, राजगृह तपोवन पंडा रक्षक समिति तीर्थ पुरोहित, गंगा सभा कमेटी बिठूर, माथुर चतुर्वेदी परिषद मथुरा तथा तीर्थ पुरोहित सभा सहित अनेक संगठनों ने परंपरागत आरती को जारी रखने के समर्थन में आवाज उठाई है। पंडित त्रिवेदी ने बताया कि इस मामले को लेकर देशभर के तीर्थ पुरोहितों के बीच बैठकों का दौर जारी है। विरोध को लेकर आगामी रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है। तीर्थ पुरोहित संगठनों का कहना है कि धार्मिक स्थलों पर सदियों से चली आ रही परंपराओं और व्यवस्थाओं का संरक्षण किया जाना चाहिए।

महादेव मंदिर में शिवलिंग के पास दिखा कोबरा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● राम जनार्दन मंदिर परिसर स्थित 38वें 84 महादेव कुसुमेश्वर महादेव मंदिर में हरियाली अमावस्या की रात आरती के बाद एक कोबरा सांप दिखाई दिया। मंदिर के पंडित गौरव विश्वनाथ मिश्रा ने इंस्टाग्राम के माध्यम से सर्पमित्र राहुल को सूचना दी, जिसके बाद सांप का सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया गया।

यह घटना हरियाली अमावस्या की रात करीब 8:30 बजे आरती के बाद हुई। पंडित गौरव विश्वनाथ मिश्रा ने बताया कि वे आरती के बाद मंदिर में मोबाइल पर काम कर रहे थे, तभी उनकी नजर हवन कुंड के पास मौजूद कोबरा सांप पर पड़ी। पंडित मिश्रा के अनुसार, उस समय मंदिर के दरवाजे और अलमारियां खुली थीं, जिससे सांप के अंदर जाने की आशंका थी। इसे देखते हुए उन्होंने सांप को सुरक्षित बाहर निकलवाने का निर्णय लिया।

उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए सर्पमित्र राहुल का नंबर खोजा और उन्हें फोन कर बुलाया। सूचना मिलने पर सर्पमित्र राहुल मौके पर पहुंचे और कोबरा को सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। पंडित गौरव ने बताया कि मंदिर में इस तरह सांप दिखाई देने की यह पहली घटना है, हालांकि आसपास के जंगल और प्राकृतिक क्षेत्रों में सांप अक्सर निकलते रहते हैं। घटना के समय मंदिर में अधिक भीड़ नहीं थी।

सर्पमित्र राहुल के मुताबिक, सावन में बारिश और मौसम में लगातार बदलाव के कारण सांपों के बाहर निकलने की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि सावन के दौरान उज्जैन जिले में अब तक करीब 200 सांपों का रेस्क्यू किया जा चुका है।

महाकाल मंदिर में दर्शन को लेकर विवाद, चार श्रद्धालु गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल मंदिर में प्रोटोकॉल से दर्शन को लेकर चार श्रद्धालुओं और मंदिर गार्ड के बीच विवाद हो गया। लाइन में खड़े होने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। सूचना पर पहुंचा पुलिस बल चारों आरोपियों को थाने ले गया और उनका मेडिकल कराया। पुलिस के अनुसार,आरोपियों ने इससे पहले लड्डू प्रसाद काउंटर पर भी हंगामा किया था। मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया के समझाने पर भी विवाद नहीं थमा और उन पर भी हाथ उठाने की कोशिश का आरोप है। बीच-बचाव के दौरान गार्ड और श्रद्धालुओं के बीच मारपीट हो गई।

नागपंचमी पर नागचंद्रेश्वर और महाकालेश्वर दर्शन की व्यवस्था तय

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नागपंचमी पर्व, श्रावण मास के तृतीय सोमवार और तृतीय सवारी एक ही दिन होने के कारण श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए मंदिर प्रबंध समिति ने नागचंद्रेश्वर एवं महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए हैं।नागचंद्रेश्वर मंदिर के सामान्य दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का प्रवेश कर्कराज पार्किंग से होगा। यहां से भील समाज धर्मशाला, गोंड मोहल्ला, चारधाम, हरसिद्धि चौराहा और बड़ा गणेश मार्ग होते हुए प्रवेश द्वार क्रमांक-4 से मंदिर परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। दर्शन के बाद प्रीपेड बूथ से निकासी होगी। शीघ्र दर्शन के लिए प्रवेश हरसिद्धि पाल की ओर से निर्धारित किया गया है।महाकालेश्वर मंदिर के सामान्य दर्शन के लिए प्रवेश त्रिवेणी संग्रहालय स्थित त्रिवेणी द्वार से होगा, जबकि शीघ्र दर्शन के लिए नीलकंठ द्वार निर्धारित किया गया है। मंदिर समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने अधिकारियों को भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, सुगम आवागमन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सिंहस्थ के मद्देनजर बनाए जा रहे उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट में जमीन अधिग्रहण को लेकर दायर तीन याचिकाओं पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। करीब 20 मिनट चली बहस के बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। एक तरफ न्यायालय में मामला विचाराधीन है, वहीं दूसरी ओर प्रोजेक्ट के तहत कुछ क्षेत्रों में सड़क निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। अधिग्रहण में नियमों का पालन नहीं किसानों की ओर से पैरवी करते हुए एडवोकेट विशाल चौहान ने न्यायालय को बताया कि उज्जैन जिले के सोडंग सहित अन्य गांवों में जमीन अधिग्रहण के दौरान नियमों का पालन नहीं किया गया। नियमानुसार दावे-आपत्तियों की सुनवाई कलेक्टर को करनी थी, लेकिन यह सुनवाई एसडीओ ने की और आदेश कलेक्टर ने जारी कर दिए। याचिका में इसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन बताया गया। किसानों ने आपत्ति दर्ज कराई थी कि प्रस्तावित अधिग्रहण स्थल के पास ही एक सरकारी सड़क पहले से मौजूद है। यदि सड़क का थोड़ा अलाइनमेंट बदला जाए, तो किसानों की जमीन अधिग्रहित करने की आवश्यकता नहीं होगी। आरोप है कि प्रशासन ने इन आपत्तियों पर सुनवाई किए बिना ही अधिग्रहण के आदेश पारित कर दिए।

फर्जी वारिस खड़ा कर जमीन का नामांतरण सरपंच के बेटे के नाम रजिस्ट्री

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बड़नगर तहसील के जलोदिया ग्राम में दशकों से बिना किसी वारिस के खाली पड़ी जमीन पर फर्जी वारिस खड़ा कर नामांतरण कराया और फिर वारिसाना जारी करने वाले सरपंच के बेटे के नाम ही रजिस्ट्री करा दी गई। यह मामला इंदौर हाईकोर्ट के समक्ष पहुंचा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उज्जैन कलेक्टर से शिकायत करने और कलेक्टर को 6 सप्ताह में पूरे मामले का निपटारा करने के निर्देश दिए हैं। तब तक जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है।

अभिभाषक गोविंद राय पुरोहित के अनुसार बड़नगर तहसील के गांव जालोदिया में स्थित सर्वे नंबर 382 की 0.69 हेक्टेयर जमीन के मूल मालिक दत्तात्रेय रुगनाथ (जाति ब्राह्मण) थे। 21 अगस्त 1958 को उनकी मृत्यु हो गई थी और उनका कोई वारिस नहीं था। नियमानुसार इसे सरकारी जमीन के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए था। इस पर फर्जीवाड़ा कर सरपंच ने बेटे के नाम जमीन कर ली। दत्तात्रेय का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराया गया। रामदयाल पिता कन्हैयालाल (जाति बलाई) ने खुद को दत्तात्रेय का बेटा बताते जमीन पर दावा ठोक दिया। ?सरपंच की भूमिका : जालोदिया के सरपंच मनोहर धबाई ने रामदयाल का फर्जी वारिसाना प्रमाण पत्र तैयार कर दिया। इसी आधार पर जमीन का नामांतरण रामदयाल के नाम कर दिया गया। फर्जी वारिस रामदयाल ने इस जमीन की रजिस्ट्री वारिसाना जारी करने वाले सरपंच के बेटे अजय धबाई के नाम कर दी।

इंदौर। 15 अगस्त को होने वाली स्वतंत्रता दिवस की परेड को लेकर आज पुलिस ग्राउंड पर पूर्वाभ्यास किया गया।

फर्जी गवाहों में एक टीआई डिमोट; दूसरे पर कार्रवाई नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • एक जैसे गवाहों के नाम पर सैकड़ों केस, सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और उसके बाद पुलिस विभाग की कार्रवाई इंदौर में थाना प्रभारियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल लगातार गहरा रहे हैं। खजराना के पूर्व टीआई दिनेश वर्मा को करीब 700 जुआ, सट्टा और आर्म्स एक्ट के मामलों में एक जैसे पॉकेट गवाहों के नाम सामने आने के बाद जांच में दोषी पाए जाने पर टीआई से एसआई बना दिया गया। वहीं, चंदन नगर के टीआई इंद्रमणि पटेल के करीब 1350 मामलों में चार एक जैसे गवाहों के नाम सामने आने के बावजूद उन्हें फिलहाल सिर्फ थाने से हटाया गया है और जांच जारी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियां भी सामने आ चुकी हैं और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी को कोर्ट में उपस्थित होना पड़ा था। इन दो मामलों के अलावा दो अन्य थाना प्रभारियों को भी अलग-अलग मामलों में जांच के बाद टीआई पद से हटाकर एसआई बनाया गया है। इनमें एक मामला हाईकोर्ट की डबल बेंच और दूसरा हाईकोर्ट में फैसले के स्तर पर लंबित है। खजराना के पूर्व टीआई दिनेश वर्मा पर आरोप है कि उनके कार्यकाल में करीब 700 जुआ, सट्टा और आर्म्स एक्ट के प्रकरणों में दो एक जैसे पॉकेट गवाहों इरशाद और नवीन के नाम दर्ज किए गए।

प्रदेश में महंगी होगी बिजली! बढ़े लाइन लॉस ने बढ़ाई उपभोक्ताओं की चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने मल्टी ईयर टैरिफ से संबंधित प्रस्तावित नियम और शर्तों पर उपभोक्ताओं से आपत्ति और सुझाव मांगे हैं। इसके लिए 1 सितंबर तक का समय दिया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में वितरण हानि यानी लाइन लॉस का स्तर सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में शामिल है।

प्रस्ताव के मुताबिक पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का वितरण लॉस 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत किए जाने का अनुमान रखा गया है। वहीं मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के लिए यह आंकड़ा 24.5 प्रतिशत प्रस्तावित किया गया है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि भविष्य में इसका असर बिजली उपभोक्ताओं के बिल पर कितना पड़ेगा।

ज्यादा लाइन लॉस का मतलब सीधे महंगी बिजली नहीं- हालांकि वितरण हानि का प्रतिशत बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बिजली की दर सीधे उसी अनुपात में बढ़ जाएगी। टैरिफ तय करते समय आयोग बिजली खरीद की लागत, ट्रांसमिशन खर्च, वितरण व्यवस्था, संचालन और रखरखाव, पूंजीगत निवेश तथा कंपनियों की राजस्व जरूरत जैसे कई पहलुओं की समीक्षा करता है। इन सभी आंकड़ों के आधार पर अंतिम बिजली दर निर्धारित की जाती है।

फिर भी यदि ज्यादा वितरण हानि को स्वीकार किया जाता है तो बिजली आपूर्ति की कुल लागत और टैरिफ गणना पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी के सीजीएम रेवेन्यू शैलेंद्र सक्सेना के अनुसार मल्टी ईयर टैरिफ व्यवस्था में आयोग पांच साल के लिए हर वर्ष की संभावित वितरण हानि का अनुमान मांगता है। इसी आधार पर कंपनी ने अगले पांच वर्षों का प्रोजेक्शन आयोग को सौंपा है। उनका कहना है कि आंकड़े वास्तविक स्थिति के करीब रखे गए हैं और वितरण हानि कम करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना का उद्देश्य भी बिजली वितरण नेटवर्क को मजबूत करना और तकनीकी एवं वाणिज्यिक नुकसान घटाना है। योजना की अवधि बढ़ाकर 31 मार्च 2028 तक कर दी गई है।

20 हजार करोड़ के निवेश के बाद भी सवाल

बिजली मामलों के जानकार और सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेंद्र अग्रवाल ने लाइन लॉस के बढ़ते अनुमान पर सवाल उठाए हैं। उनके मुताबिक प्रदेश में बिजली ढांचे को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का अनुमान है। इसमें स्मार्ट मीटरिंग जैसी परियोजनाएं भी शामिल हैं। उनका कहना है कि यदि इतने बड़े निवेश के बावजूद वितरण हानि कम नहीं होती और आगे के लिए अधिक नुकसान का स्तर स्वीकार किया जाता है तो इसकी अतिरिक्त लागत का भार भविष्य में बिजली दरों के जरिए उपभोक्ताओं तक पहुंच सकता है।

शहर से ज्यादा ग्रामीण इलाके में बरस रहे बादल

इंदौर में 0.6 इंच, देपालपुर में 3 इंच और गौतमपुरा में 2 इंच बरसे बादल, आज भी तेज बारिश की चेतावनी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। बादल रुक-रुककर सुबह से रात तक बरसते रहे, हालांकि तेज बारिश नहीं होने से शहर में 24 घंटे में 0.6 इंच बारिश ही दर्ज हुई। जिले में सबसे ज्यादा बारिश देपालपुर में करीब 2.9 इंच हुई। गौतमपुरा में भी करीब 1.9 इंच और सांवेर में 0.8 इंच बारिश दर्ज की गई। वहीं रीगल क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 20.25 मिमी यानी करीब 0.8 इंच बारिश हुई। यहां अब तक कुल बारिश 444 मिमी पहुंच गई है।

मौसम विभाग ने गुरुवार को भी इंदौर सहित आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान इंदौर सहित आसपास के जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। शहर की तुलना में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश का असर ज्यादा रहा। बारिश और बादलों के कारण दिनभर मौसम ठंडा रहा। इंदौर में अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री रहा। इस तरह दिन और रात के तापमान में महज 2.1 डिग्री का अंतर रहा। हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही और अधिकतम रफ्तार 39 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची।

रीगल में 444 मिमी बारिश

शहर के रीगल क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 20.25 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही यहां अब तक कुल बारिश 444 मिमी यानी करीब 17.5 इंच हो गई है। लगातार दो दिन हुई बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में मौसम सुहाना रहा। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से अब तक मध्यप्रदेश में बारिश औसत से 14 प्रतिशत कम हुई है।

पीथमपुर में जमीन मिलने के बाद कितना निवेश किया

पतंजलि को एमपीआईडीसी से पत्र जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को एमपीआईडीसी ने एक पत्र भेजा है। यह पत्र कंपनी के उस आवेदन के बाद जारी किया गया है, जिसमें पीथमपुर की जमीन को पतंजलि फूड लिमिटेड के नाम ट्रांसफर करने की मांग की गई थी।

साल 2016 में इंदौर में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने पीथमपुर में 500 करोड़ रुपए निवेश करने का ऐलान किया था। इसके बाद पीथमपुर के सेक्टर-3 बगदून में उन्हें 40 एकड़ जमीन रियायती दर पर दी गई थी। यह जमीन करीब 10 करोड़ रुपए में मिली थी, जो असल कीमत की सिर्फ 25 फीसदी थी। लेकिन करीब 10 साल बीत जाने के बाद भी वहां कोई प्लांट शुरू नहीं हुआ। इसके बाद कंपनी ने जमीन को अपनी दूसरी कंपनी पतंजलि फूड लिमिटेड के नाम ट्रांसफर करने के लिए आवेदन किया। इस पर एमपीआईडीसी ने कंपनी को पत्र जारी कर नियमों के तहत प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। इसमें मप्र औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2019 की धारा 19(बी) का पालन करने की बात कही गई है। इस जमीन की मौजूदा कीमत करीब 100 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

सरकारी जमीन में रहने वालों से होगी वसूली

निगम खोलेगा संपत्तिकर के खाते, नहीं मिलेगा मालिकाना हक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • अवैध कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और राजस्व वसूली के बीच नगर निगम ने एक नया रास्ता निकालने की तैयारी की है। प्रशासन ने नोटरी के जरिए होने वाली रजिस्ट्रियों पर रोक लगा रखी है, इसके बावजूद निगम अब अवैध कॉलोनियों, सरकारी जमीन और बस्तियों में काबिज लोगों के नाम से जलकर और संपत्तिकर के खाते खोलने जा रहा है। हालांकि इन खातों के आधार पर संबंधित व्यक्ति को जमीन या मकान का मालिकाना हक नहीं मिलेगा। निगम इस बात को स्पष्ट रूप से दर्ज करेगा।

दरअसल, अवैध कॉलोनियों में लंबे समय से निगम सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराता रहा है। इसके साथ ही यहां रहने वाले लोगों से विभिन्न करों की वसूली भी की जाती है। कुछ समय पहले निगम ने इस तरह खाते खोलने पर रोक लगाई थी, लेकिन अब राजस्व बढ़ाने और वास्तविक उपयोगकर्ताओं से कर वसूलने के लिए फिर से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। अवैध कॉलोनियों में भी निगम नागरिकों को सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। पहले इन क्षेत्रों में लोगों के नाम से हाल मुकाम के आधार पर खाते खोले जाते थे। अब इसी व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए अवैध कॉलोनियों और सरकारी जमीन पर काबिज लोगों के नाम से जलकर और संपत्तिकर के खाते खोले जाएंगे। निगम की यह व्यवस्था जमीन के स्वामित्व का प्रमाण नहीं बनेगी। यानी निगम में संपत्तिकर या जलकर का खाता खुलने से संबंधित व्यक्ति को रजिस्ट्री या मालिकाना अधिकार नहीं मिलेगा। इस संबंध में निगम पंजीयन विभाग को भी पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करेगा, ताकि इन खातों के आधार पर रजिस्ट्री या स्वामित्व का दावा न किया जा सके।

इंदौर। आज लोकमता देवी अहिल्या बाई की पुण्यतिथि पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया।

आईडीए में लीज रिन्यू फ्री होल्ड की कार्रवाई हो रही लंबित

तीन महीने में भी मौका रिपोर्ट नहीं, सीईओ के पास पहुंचे आवेदक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में भूधारक विकास प्राधिकरण में संपत्तियों के फ्री होल्ड और लीज रिन्यू को लेकर लगातार एकल खिड़की पर आवेदन लगा रहा है। अब आवेदन ऑनलाइन होने के बावजूद, मौका रिपोर्ट में 3 महीने से अधिक का समय लग रहा है, जिससे आवेदक परेशान हो रहे हैं।

बताया जा रहा है कि अभी हाल ही में संपन्न हुई जनसुनवाई में कुछ आवेदकों ने शिकायत की और इस तरह से नाराजगी जाहिर की कि खुद सीईओ डॉक्टर परीक्षित जाड़े ने भी चर्चा की है। अब लगातार आवेदकों का विकास प्राधिकरण में चक्कर लग रहा है, इसलिए नाराजगी भी जाहिर है। इन्हीं में से एक ने विधायक रमेश मंदोला से भी फ़ोन कराया जिनका नामांतरण वह लीज रिन्यू विजयनगर का था, परन्तु उनका 5 महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अभी तक लीग लीज रिन्यू का काम नहीं हुआ है। जब इस मामले में संपदा शाखा में पता किया तो संबंधित इंजीनियर ने अभी तक मौका रिपोर्ट नहीं दी है। प्राधिकरण में इस तरह की परेशानियों के कारण नाराजगी हो रही है और आवेदक भी चक्कर लगा रहे हैं। अधिकारियों के इस तरह के रवैयों के साथ-साथ नीति नए नियमों का कारण भी प्राधिकरण में परेशानियां चल रही है। तत्कालीन विकास प्राधिकरण सीईओ रामप्रकाश अहिरवार के कार्यकाल के दौरान ऐसा नहीं हुआ था और उनके द्वारा बार बार लंबित मामलों को देखा जाता था, लेकिन यह भी देखने में आ रहा है कि नए सीईओ डॉक्टर परीक्षित जाड़े को खुद पुराने अधिकारी चला रहे हैं या यह भी कह सकते हैं कि दिग भ्रमित कर रहे हैं। विकास प्राधिकरण में अधिकारियों द्वारा इस तरह के रवैये के चलते और बाबूओं द्वारा भी लापरवाही बरतने के कारण लोक परेशान हो रहे हैं। इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

प्रदेश का पहला एआई और मशीन लर्निंग सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस डीएवीवी में जनवरी 2027 तक शुरू होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के छात्रों को जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के लिए मध्य प्रदेश के पहले सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की सुविधा मिलेगी। यूनिवर्सिटी इस सुविधा को जनवरी 2027 में शुरू करने की योजना बना रही है।

तक्षशिला कैंपस में बन रहे इस सेंटर का मकसद एआई शिक्षा, रिसर्च और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड स्किल डेवलपमेंट को मज़बूत करना है। निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और सेंटर के दिसंबर के आखिर तक तैयार होने की उम्मीद है। इसमें एक अत्याधुनिक लैब होगी, जो एडवांस्ड एआई और मशीन लर्निंग हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और रिसर्च टूल्स से लैस होगी। यूनिवर्सिटी ने रिसर्च इक्विपमेंट के लिए शुरुआती बजट 1 करोड़ रुपये तय किया है। अधिकारियों का कहना है कि सुविधा के विस्तार के साथ भविष्य में इसे बढ़ाया जा सकता है। यह सेंटर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा प्रोग्राम ऑफर करेगा। क्लास रोज़ाना तीन शिफ्ट में होंगी और हर बैच में 50 तक छात्र होंगे। उम्मीद है कि यह सेंटर थ्योरी सेशन और प्रैक्टिकल लर्निंग के ज़रिए हर साल लगभग 500 छात्रों को ट्रेनिंग देगा। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, देश भर के प्रमुख संस्थानों के एक्सपर्ट 7 से 15 दिनों तक चलने वाले ट्रेनिंग मॉड्यूल आयोजित करेंगे। डीएवीवी राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमओ साइन करने और आईआईटी जैसे बेहतरीन संस्थानों के फैकल्टी सदस्यों को छात्रों को गाइड करने के लिए बुलाने की भी योजना बना रहा है। वाइस-चांसलर राकेश सिंघई ने कहा कि 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' किसी पारंपरिक यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट के बजाय राष्ट्रीय स्तर के प्रोफेशनल संस्थान की तरह काम करेगा। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी उन चुनिंदा छात्रों को एडवांस्ड रिसर्च सुविधाएं देना चाहती है जिनकी एआई और मशीन लर्निंग में गहरी रुचि है।

रेगुलर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अलावा, यह लैब यूनिवर्सिटी के टीचिंग डिपार्टमेंट्स के चुनिंदा छात्रों के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट्स के वास्ते भी खुली रहेगी। स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस, इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ़ एनर्जी और एआई से जुड़ी रिसर्च पर काम कर रहे दूसरे डिपार्टमेंट्स के छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। लैब शाम 6 बजे तक खुली रहेगी और इसकी एकेडमिक गतिविधियों की देखरेख डीएवीवी के सीनियर फैकल्टी सदस्य करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।